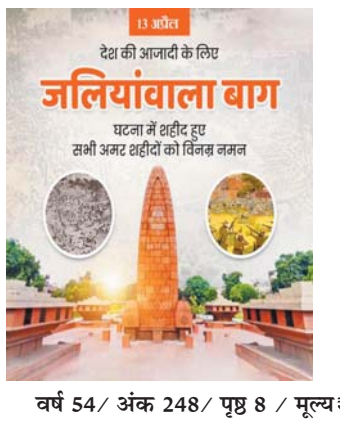

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 248/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2।10

संस्थापक- स्व। सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, रविवार 13 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakashÐin

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी समेत बड़े नेताओं ने जलियांवाला बाग के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम बड़े नेताओं ने रविवार को जलियांवाला बाग के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने इसे भारत के इतिहास का एक काला अध्याय और देश के स्वतंत्रता संग्राम में एक बड़ा मोड़ बताया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर लिखा, जलियांवाला बाग में भारत माता के लिए मर मिटने वाले सभी स्वाधीनता सेनानियों को मैं सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनके बलिदान से हमारे स्वाधीनता संग्राम की धारा और प्रबल हो गई थी। कृतज्ञ भारत सदैव उनका ऋणी रहेगा। मुझे विश्वास है कि उन अमर बलिदानियों से प्रेरणा लेकर सभी देशवासी भारत की प्रगति में पूरे तन-मन-धन से अपना योगदान देते रहेंगे।

एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, हम जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। आने वाली पीढ़ियां उनकी अदम्य भावना को हमेशा याद रखेंगी। यह वास्तव में हमारे देश के इतिहास का एक काला अध्याय था। उनका बलिदान भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक बड़ा मोड़ बन गया।

कई अन्य नेताओं ने भी ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान 13 अप्रैल, 1919 को हुए क्रूर नरसंहार

के पीड़ितों और उसके प्रभावों को याद किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, जलियांवाला बाग हत्याकांड भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक काला अध्याय है जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। अमानवीयता की पराकाष्ठा पर पहुंच चुकी ब्रिटिश हुकूमत की क्रूरता से देशवासियों में जो आक्रोश पैदा हुआ, उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-जन के संघर्ष में बदल दिया।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, जलियांवाला बाग हत्याकांड के निर्दोष शहीदों को श्रद्धांजलि। भारत हमेशा उनका ऋणी रहेगा। 1919 में उस दिन औपनिवेशिक बर्बरता ने राष्ट्रीय चेतना की एक नई लहर को जन्म दिया, जो अधिक उग्र, निडर और स्वतंत्रता के लिए दृढ़ थी। उन्होंने कहा, बहादुर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों का बलिदान हमें अपनी संप्रभुता, समावेशिता और स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए प्रेरित करेगा।

हिसार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल हवाई सेवाओं का करेंगे शुभारंभ

पीएम नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हिसार एयरपोर्ट से हवाई उड़ान का शुभारंभ करेंगे। इससे पहले आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रैली स्थल का मुआयना करेंगे। आज रात उनका ठहराव भी हिसार में ही रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार के कार्यक्रम के मद्देनजर एसपीजी पूरे कार्यक्रम स्थल को अपने अधीन ले लिया है। इसके अलावा प्रदेश के 13 जिलों की पुलिस को हिसार बुलाया गया है, जिसमें 11 पुलिस अधीक्षक, 37 डीएसपी, 2500 पुलिसकर्मी रैली स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। पीएम के कार्यक्रम में चार लेयर की सुरक्षा होगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारित मंत्री अमित शाह ने भोपाल में सम्मेलन में शिरकत की

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए एमओयू किसानों की आय बढ़ाने का लक्ष्य

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह भोपाल पहुंचे हैं। स्टेट हैंगर पर उनका स्वागत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने किया। इसके बाद शाह का काफिला रवाना होकर भोपाल के रवींद्र भवन पहुंचा। यहां शाह राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में मौजूद हैं।

यहां शाह की मौजूदगी में मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के बीच एमओयू हुआ। इसके साथ ही एमपी के छह दुग्ध संघों और एनडीडीबी के बीच छह अलग-अलग एमओयू भी किए गए।

सांची का नाम नहीं बदलेगा

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री लखन पटेल ने बताया कि मप्र दुग्ध संघ और एनडीडीबी के बीच 5 साल के लिए अनुबंध होगा। न तो सांची का नाम हटेगा, न लोगो बदलेगा। संचालन का काम एनडीडीबी के हाथों में रहेगा। दुग्ध संघ में अब सीईओ, एनडीडीबी के अधीनस्थ काम करेंगे। एनडीडीबी और दुग्ध संघ के बीच हुए करार के बाद मप्र में दुग्ध सहकारी समितियों की संख्या 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार हो जाएगी। एनडीडीबी मप्र में डेली दुग्ध उत्पादन क्षमता को 10 लाख लीटर से बढ़ाकर 5 साल में 20 लाख लीटर तक ले जाएगा। 5 साल के प्रोजेक्ट के लिए 1447 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है।

सीएम ने अयोध्या के भगवान राम की प्रति मूर्ति भेंट की

सीएम डॉ मोहन यादव ने मंच पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह का स्वागत अंग वस्त्रम पहनाकर किया। इस मौके पर उन्हें अयोध्या मंदिर में स्थापित भगवान राम की प्रति मूर्ति भेंट की।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस के शपथ विधि समारोह को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित किया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी के पूर्व प्रदेश सह संगठन महामंत्री स्वर्गीय भगवत शरण माथुर को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष उषा अग्रवाल, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति उपस्थित रहे।

एआईएडीएमके के साथ गठबंधन से अब राज्यसभा में भाजपा की ताकत बढ़ेगी

नई दिल्ली। तमिलनाडु में भाजपा और एआईएडीएमके के बीच गठबंधन की घोषणा हो चुकी है। दक्षिण में हुए इस गठबंधन का असर दिल्ली तक साफ दिखाई देगा। एआईएडीएमके के बीजेपी से हाथ मिलाने के बाद राज्यसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन ने मनोनीत सदस्यों के समर्थन को शामिल किए बिना ही पूर्ण शक्ति वाले सदन राज्यसभा में बहुमत सुनिश्चित कर लिया है। सत्तारूढ़ गठबंधन के पास पहले से ही उच्च सदन में बहुमत था। इसमें वर्तमान में 236 सदस्य हैं और नौ रिक्तियां हैं। वास्तव में, हाल ही में सदन ने वक्फ संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी, जबकि एआईएडीएमके ने विधेयक के

खिलाफ मतदान किया था। वर्तमान में, उच्च सदन में एनडीए की ताकत 119 है। इसमें हरियाणा से एक स्वतंत्र सांसद कार्तिकेय शर्मा का समर्थन भी शामिल है। शर्मा ने बीजेपी के समर्थन से चुनाव जीता था। एनडीए में अब, चार एआईएडीएमके सांसदों के समर्थन के साथ, बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन की ताकत 123 हो जाएगी। इसलिए, जब उच्च सदन 245 की अपनी पूरी ताकत हासिल कर लेगा, तब भी सत्तारूढ़ गठबंधन बहुमत में होगा। इसके अलावा, एनडीए को छह मनोनीत सदस्यों के समर्थन की भी आवश्यकता है, इसलिए प्रभावी संख्या 125 है। सभी छह को भाजपा ने मनोनीत किया था और मनोनीत सदस्य आमतौर पर उस पार्टी के साथ होते हैं जो उन्हें सदन में भेजती है। एआईएडीएमके सांसदों के सत्ता पक्ष में शामिल होने के साथ, इसकी प्रभावी संख्या 129 हो जाएगी। सरकार की तरफ से रिक्तियों को भरने के बाद यह 134 या उससे अधिक हो सकती है।

मप्र को नई ट्रेन की सौगात, डॉ. आंबेडकर नगर-कोटा-नई दिल्ली एक्सप्रेस का शुभारंभ आज करेंगे बिरला

इंदौर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार 13 अप्रैल को डॉ. आंबेडकर नगर एवं कोटा रेलवे स्टेशनों पर डॉ. आंबेडकर नगर-कोटा-नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे। राजस्थान और मध्य प्रदेश के पर्यटन/दर्शनीय स्थलों को बढ़ावा देने एवं यात्री सुविधाओं तथा सुगम आवागमन के उद्देश्य से रेलवे ने नियमित रेल सेवा के रूप में ट्रेन नंबर 20155/20156 डॉ. आंबेडकर नगर - नई दिल्ली - डॉ. आंबेडकर नगर एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन का नियमित संचालन भारतीय संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी जन्मस्थली महू के डॉ. आंबेडकर नगर रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। डॉ. आंबेडकर नगर - कोटा - नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, सांसद इंदौर शंकर लालवानी, सांसद राज्यसभा कविता पाटीदार हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह ट्रेन राजस्थान क्षेत्र में लंबे समय से लंबित सार्वजनिक मांग को पूरा करती है। यह ट्रेन राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं राजधानी नई दिल्ली प्रदेश क्षेत्र के रोजगार, व्यापार, वाणिज्य और अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में योगदान देगी।

एनडीडीबी चेयरमैन बोले-सम्मेलन में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात

एनडीडीबी के चेयरमैन मीनेश शाह ने कहा - आज के इस सम्मेलन में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। एनडीडीबी और एमपी सहकारी समितियों के बीच अनुबंध कार्यक्रम में अमित शाह की मौजूदगी से हम गौरवान्वित हैं।

एसीएस वर्णवाल बोले- डेयरी सेक्टर को नई गति मिलेगी

सहकारिता विभाग के एसीएस अशोक वर्णवाल ने कहा कि आज किसानों के हित में जो अनुबंध हो रहा है, उससे डेयरी सेक्टर को नई गति मिलेगी।

भारत में बनी रोबोटिक सर्जरी मशीन मेडी जार्विस आज असम में हुई लॉन्च

गुवाहटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मेड-इन-इंडिया रोबोटिक सर्जरी मशीन मेडी जार्विस को रविवार को लॉन्च किया। इस मशीन को गुवाहटी के स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में लॉन्च किया गया। मेडी जार्विस रोबोटिक मशीन कैंसर के इलाज के दौरान डॉक्टरों की सहायता करेगी। रोबोटिक मशीन को लॉन्च किए जाने के दौरान सीएम सरमा ने कहा, मैंने गुवाहाटी के स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में रोबोटिक सर्जरी यूनिट का लोकार्पण किया है।

मप्र समेत 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट 6 राज्यों में 2 दिन बाद हीटवेव की चेतावनी

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने रविवार को मध्य प्रदेश, यूपी, बिहार सहित 17 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में धूलभरी आंधी की चेतावनी है। असर दिल्ली तक देखने को मिल सकता है। मप्र के 24 जिलों में बारिश की संभावना है। यूपी में अगले 24 घंटे तक 47 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। बिजली के साथ ओले भी गिरने की आशंका है। बिहार में आज पटना समेत 24 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। राजस्थान में शनिवार को बिजली-आंधी से 2 लोगों की मौत हो गई है। बिजली की चपेट में आने से खेत में काम कर रही एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग झुलस गए। सिरोही में शुक्रवार देर रात तेज आंधी के चलते पेड़ गिरने से एक महिला की जान चली गई।

15 के बाद गर्म लपट चल सकती है

मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की सक्रियता घटने के बाद तेज गर्मी का असर शुरू होगा। 15 अप्रैल के बाद मध्यप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हीटवेव चलने का अनुमान है। इस दौरान तापमान 40 डिग्री पार पहुंच सकता है। उत्तराखंड, यूपी, बिहार, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में बिजली-गरज के साथ बारिश का अलर्ट है। पहाड़ी राज्यों में ओले गिरने की संभावना है।

तेज हवा चलने की संभावना

राजस्थान में 14 और 15 अप्रैल में पश्चिम राजस्थान के इलाकों में हीटवेव के आसार है। महाराष्ट्र में मैदानी इलाकों में गरज और बिजली के साथ हल्की बारिश की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40-50 किमी प्रति घंटा रहेगी। अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, असम, मेघालय15 अप्रैल तक भारी बारिश का अलर्ट जारी है। तेज हवा चल सकती हैं। तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश में गरज, बिजल और तेज हवा 40-50 किमी प्रति घंटा के साथ हल्की और मध्यम बारिश की संभावना है।

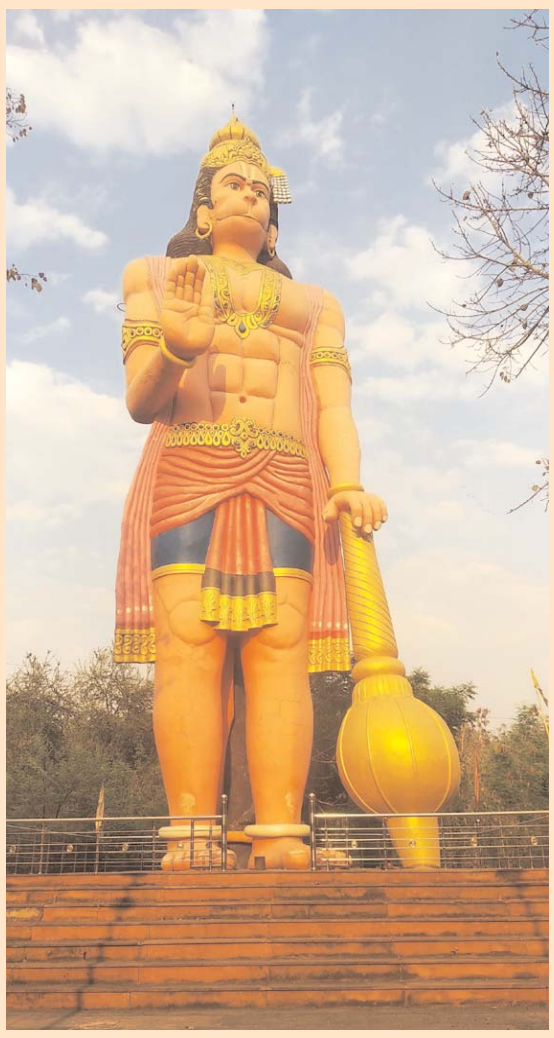

भोपाल। भदभदा विश्राम घाट में 3 जुलाई 2017 को हनुमान जी की 65 फिट की मनभावन प्रतिमा विराजित हुई है। उपरोक्त जानकारी भदभदा प्रबंधन के सचिव मम्तेश शर्मा ने दी ।

सगा सग्गुम आदिम सामाजिक संस्था ने मनाया पुनल सावरी पाबुन प्राकृतिक नववर्ष

भोपाल। सगा सग्गुम आदिम सामाजिक संस्था के तत्वाधान में गोंड़ समुदाय द्वारा कोया पुनेमी पुनल सावरी पाबुन प्राकृतिक नव वर्ष मनाया गया। यहां पर सभी महिलाओं को मुख्य अतिथि बनाया गया किसी भी पुरुष अतिथि के रूप में यहां पर नहीं थे महिलाओं को बराबर का अधिकार हमेशा से जनजाति समुदाय देते रहा है। गोंड़ समुदाय सहपरिवार विगत वर्षोनुसार इस वर्ष भी कोया पुनेमी पुनल सावरी पाबून अर्थात प्राकृतिक नया वर्ष धूमधाम से मनाया, सर्वविदित है कि गोंडवाना भू-भाग के समस्त जनजातियों का अतिप्राचीन भाषाई, सामाजिक, सांस्कृतिक परम्परायें प्रकृति के सम्मान और जीवनदायनी फसल उत्सव पर आधारित हैं, जनजातियों का जीवन सदैव प्राकृतिक जलवायु संतुलन संकेतो के साथ सरल और शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करने में विश्वास करते है यह संतुलन जीवन सदियों से चल रहा है, इसलिए जनजातियों का आस्था-विश्वास और सामाजिक हर परम्परायें अन्य समुदाय से पृथक हैं, जो प्राकृतिक व्यवहार के बहुत करीब हैं। प्राकृतिक सृजन के आधार पर पुनल सावरी पाबुन को समुदाय के मात्रशक्तियों के सम्पूर्ण नेतृत्व में मनाया जाता है, जिसके प्रति संस्था इस पाबुन को मात्रशक्तियों के लिए प्रतिनिधित्व किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य कोयतोड़ियन मात्रशक्तियों में सामाजिक, सांस्कृतिक एंव नेतृत्व क्षमता का सर्वांगीण विकास हो। इसी तारतम्य में सगा सग्गुम आदिम सामाजिक संस्था के जिला संयोजन समिति गढ़ भोपाल द्वारा आयोजित प्राकृतिक नया वर्ष मनाया गया, कार्यक्रम आयोजन में प्रदेश के तमाम जिलों से अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य भूमका तिरुमाल यशवंत कुर्वेती, एवं इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि-तिरूमाय-रमा प्रेम शान्ति तेकाम (शिक्षिका, समाजसेवी, कवयित्री, एंव ई.पी.फ. महिला मंडल बालाघाट) अध्यक्षता तिरुमाय कंचना आर्मो, (बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल) विशिष्ट अतिथिगण तिरुमाय निलेश्वरी मसराम, (स.सी.स.ओ. कृषि विभाग बालाघाट) विशिष्ट अतिथि तिरुमाय-क्रांति गोंड़, उपमहाप्रबंधक विद्युत विभाग म.प्र. भोपाल) तिरुमाय सरिता मेराव, (वन विभाग बालाघाट) एंव मुख्य संस्था व संयोजन समिति गढ़ भोपाल के सभी पदाधिकारी गण एवं सदस्य गणों की उपस्थिति में सर्वप्रथम गोंगो उपरांत अतिथि स्वागत सम्मान के साथ-साथ मात्रशक्तियों का वक्तव्य, तरह-तरह के पारम्परिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्नेह भोज के साथ सफल आयोजन किया गया।

रामानंद आश्रम गुफा मंदिर धाम में मनाया हनुमान जन्मोत्सव

भोपाल। चैत्र शुक्ल पक्ष पूर्णिमा को प्रभु श्रीराम माता जानकी के दुलारे केसरी, अंजनीनंदन पवनपुत्र हनुमानजी महाराज का जन्मोत्सव पर रामानंद आश्रम गुफा मंदिर धाम में श्रीमदजगदगुरु द्वाराचार्य श्री महंत रामप्रवेशदास महाराज के सानिध्य में पंडित लेखराज शर्मा के आचार्यत्व में 21 वैदिक ब्राह्मणों द्वारा प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में पहले श्री पतित पावन हनुमान महाराज उसके उपरांत बूढ़े हनुमान जी का सहस्रधारा हनुमत अभिषेक पंचामृत तथा प्रयागराज त्रिवेणी संगम के गंगाजल आदी से स्नान सिंदूर,चोला अर्पित तथा मोगरे की माला और गुलाब के फूल मालाओं से दिव्य श्रृंगार किया। सुंदर कांड तथा पंचमुखी हनुमान स्तोत्र पाठ ब्राह्मणों द्वारा किया जायेगा दपुरांत महाआरती के बाद 51 किलों की बूंदी का भोग लगाकर वितरण किया गया।

न्यू शिवनगर में हनुमान जन्मोत्सव महाआरती के साथ खीर का वितरण

भोपाल। हनुमान जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई भोपाल के गोविंदपुरा के न्यू शिवनगर में हनुमान जन्म जयंती के उपलक्ष में महा आरती एवं खीर का वितरण किया यह जानकारी दुलीचन्द मेघवाल ने दी उन्होंने बताया कि सभी के सहयोग से हनुमान जी का भव्य मंदिर का निर्माण भी यहां पर हो रहा है और सबसे बड़ी बात है कि मंदिर बनाने में जिस प्रकार हनुमान जी की वानर सेना थी उसी प्रकार हमारे पास भी छोटे-छोटे बच्चों की सेना है स्वयं मंदिर निर्माण में तन मन धन और शारीरिक तौर से लगे है

बागमुगलिया नई बस्ती में हुआ भंडारा

भोपाल। संकट हरण हनुमान मंदिर दिव्या दरबार बागमुगलिया नई बस्ती भोपाल के प्रांगण में विशाल भंडार का आयोजन किया गया जिसमें महंत राघव शुक्ला महाराज ने बताया कि मंदिर बड़ा ही प्राचीन है यहां श्री हनुमान जी महाराज शंकर जी शनिदेव राधा कृष्ण मां दुर्गा का बाल स्वरूप मां काली भैरव नाथ तथा प्रेतराज सरकार इत्यादि के मंदिर प्रमुख हैं समस्त संकट हरण हनुमान मंदिर परिवार के पुरुष मंडल महिला मण्डल व्यापारी संघ और सभी भक्तों के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ है।

कोटरा में कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्रीराम कथा शुरू

भोपाल। नेहरू नगर स्थित शासकीय आवास कोटरा में शनिवार को कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्रीराम कथा की शुरुआत की गई। कलश यात्रा राम मंदिर कमला नगर से शाम 5 बजे शुरू होकर शाम 6.30 बजे शासकीय आवास कोटरा मैदान कथा स्थल पर पहुंची। कलश यात्रा में ढोल-डीजे की थाप पर नाचते गाते सैकड़ों की संख्या में मातृशक्तिां और आसपास के लोग निकले। कलश यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मथुरा-वृंदावन से पधारे कथावाचक आचार्य सतानंद महाराज ने पहले दिन हनुमान प्रकटोत्सव की कथा सुनाई। इस मौके पर महराज ने चार जगह चल रही कथाओं का वर्णन किया। कथा रोजाना शाम 5 से बजे रात 8 बजे तक सुनाई जाएगी। बता दें कि श्रीराम कथा का आयोजन जागरुक महिला मंडल शासकीय आवास कोटरा की मातृशक्तियों द्वारा किया जा रहा है। इसमें निशा उपाध्याय, शीला बुधोनिया, गीता रघुवंशी, नीरा गुप्ता, सुनीता शर्मा सहित अन्य महिला सदस्य शामिल रहीं।

हनुमान मंदिर टीला रामपुरा में हनुमान जन्मोत्सव पर हुई महाआरती एवं भंडारा

भोपाल। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी दुर्गा चौक चौराहा हनुमान मंदिर प्रांगण टीला रामपुरा में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर भाजपा के पूर्व पार्षद घनश्याम कुशवाहा के नेतृत्व में भंडारा एवं महा आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद शैलेश साहू, बलराम यादव, दीपक शर्मा, अनूप यादव, अनूप सेन, राकेश कुशवाहा, अविनाश शर्मा विपिन साहू, उमेश साहू, आदि शर्मा, विशाल प्रजापति जगदीश ठाकुर, टेकराम साहू, अंकित सक्सेना, राकेश आर्य एवं समस्त साथी कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए।

नागर ब्राह्मण समाज ने धूमधाम से मनाई हाटकेश्वर जयंती

भोपाल। नागर ब्राह्मण समाज के इष्ट देव भगवान हाटकेश्वर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। अरेरा कॉलोनी स्थित श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर में विशेष पूजा अर्चना और अभिषेक किया गया। मंदिर परिसर से पालकी में भगवान हाटकेश्वर की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों ने जय हाटकेश के उद्घोष के साथ श्रद्धापूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, समीक्षक और स्तंभकार विनोद नागर को समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भोपाल नागर ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष रवींद्र शर्मा, महिला अध्यक्ष पारुल याज्ञिक, वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश मेहता, रामकृष्ण मेहता, महेश्वर मण्डलोई, कृष्णराम नागर सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में विनोद नागर ने कहा कि आज सबसे बड़ी जरूरत समाज को संगठित कर लोगों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने की है। तभी हम नई पीढ़ी के लिये संस्कारों की समृद्ध परंपरा को सामाजिक धरोहर के रूप में सौंपने का दायित्व भलीभांति निभा पाएँगे। आयोजन को सफल बनाने में श्री दीपक मेहता, विभाष मेहता, दीपक झा, उमेश मेहता आदि का सराहनीय योगदान रहा।

महू में निकाली आंबेडकर गौरव यात्रा

भोपाल। अंबेडकर संस्थान के सचिव राजेश वानखेरे द्वारा महू में निकाली आंबेडकर गौरव यात्रा निकाली गई। इसमें मुख्य रूप से एक तू ही जयगुरूदेव स्वामी अरुणानंद महाराज साहेब, पूर्व राज्य मंत्री दिलीप राजपाल, एडवोकेट सुभाश रायपुरे अमोल इंगले, जगदीश जांबेकर,बाबूलाल जिनवाल, किसन भालसे मीडिया प्रभारी धम थेरेपी भंते उपस्थित रहे। इसमें ऊंट, घोड़े , बैंड बजा नगाड़ों, रथों पर सवार सभी भंतों ने आशीर्वाद देते रहे। महू की जनता ने फूलों की वर्षा से अदभुत स्वागत किया। यात्रा में समाज सेवियों ने गौरव यात्रा का मान बढ़ाया सभी महिला और पुरुष यात्रा में शामिल हुए।

वैशाखी पर्व : आत्मजागरूकता, आध्यात्मिक साधना और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है : योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने सभी को वैशाखी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सबके स्वस्थ्य एवं मंगल मय जीवन की कामना करते हुए बताया कि बैसाखी के पर्व को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। बैसाखी फसल, नई शुरुआत और सिख समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है। इस महीने में रबी की फसल पककर पूरी तरह से तैयार हो जाती है और उनकी कटाई भी शुरू हो जाती है। इसीलिए बैसाखी को फसल पकने और सिख धर्म की स्थापना के रूप में मनाया जाता है। बैसाखी साहस, समानता और अन्याय के खिलाफ शाश्वत संघर्ष का प्रतीक है। यह निस्वार्थता, करुणा और मानवता की सेवा के सिख मूल्यों की याद दिलाता है। बैसाखी एक सामुदायिक पर्व है, जो लोगों को एक साथ आने और एक-दूसरे के साथ खुशी और आनंद साझा करने का अवसर प्रदान करता है। योग गुरु अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि स्वास्थ्य की समस्या से संत्रस्त संसार में हर रोज एक नई व्यथा से साक्षात्कार होता है, डॉक्टर और वैद्यों की शरण लेनी होती है, विविध जांच और परीक्षण के दौर से गुजरना होता है। फिर भी रोगों पर नियंत्रण नहीं हो पाता है। 'पहला सुख निरोगी काया' का उद्घोष गुनगुनाना आसान है लेकिन इसे जीना बड़ा कठिन है। प्राचीन काल से स्वीकृत लोकोक्ति है- 'पहला सुख निरोगी काया'। परिवार के सुखी और समृद्ध रहने की पहली शर्त है- परिवार का आरोग्य। ज्ञानप्राप्ति की भी प्रथम शर्त है- स्वास्थ्य। बुद्धि की स्फुरणा तभी होती है जब शरीर स्वस्थ और चित्त प्रसन्न रहे। कायोत्सर्ग, आसन, ध्यान, प्राणायाम आदि जीवन को स्वस्थ जागरूक और सृजनशील बनाते हैं। परिवार के मुखिया का कर्तव्य है कि इन्हें खुद तो करें ही, बच्चों में योग के संस्कार बचपन से ही पनपायें। ध्यान से एकाग्रता की शक्ति बढ़ती है। यही शक्ति-इच्छाशक्ति और संकल्प शक्ति में बदलकर व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का साधन बन सकती है। हम सब जीना चाहते हैं। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो मरण शैया पर रुग्ण व्यक्ति की भी जीवित रहने की लालसा उसका साथ नहीं छोड़ती। ऐसा क्यों? लेकिन क्या मात्र सांस लेते हुए जीवित रहना ही इष्ट है। स्वास्थ्य रहित जीवन तो एक बोझ के समान होता है, जिसे ढोना हम अपनी नियति मान लेते हैं। स्वस्थ कैसे रहा जा सकता है? क्या शक्तिवर्द्धक रसायन, टॉनिक, आसन हमें पूर्णतः स्वस्थ रख सकते हैं। नहीं! वे हमें स्वस्थ रखने में एक आंशिक भूमिका ही निभा सकते हैं। हम पराधीन हो जाते हैं। फिर स्वस्थ रहने की कुंजी क्या है? हम न तो अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हैं और न बच्चों के। अपने लाड़-प्यार के कारण हम अपने बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक घुन ही सिद्ध होते हैं। विज्ञापनों से आकर्षित और प्रभावित हो हम उन्हें वे चीज बेहद चाव से खिलाते हैं, एक तरह से उनकी आदत डाल देते हैं जो उनके स्वास्थ्य के लिए घातक है। माता-पिता की असावधानी और लाड़ प्यार के कारण टीवी के चैनलों की कृपा से कितने ही छोटे बच्चों को असमय चश्मा लग जाता है। हम शायद इस विषय में सोचते ही नहीं। हम चौबीसों घंटे तनावग्रस्त रहते हैं। क्रोध, आवेश, आवेग, ईर्ष्या, कुढ़न, अहं इन सबको हम अपने गले से लगाये रहते हैं। क्रोध, स्वास्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु है। निरंतर कुढ़न और चिड़चिड़ेपन के कारण लोग गंभीर रोगों के शिकार हो जाते हैं। हम दवाएं लेते हैं पर अपने क्रोध, चिड़चिड़ेपन की आदत नहीं छोड़ते।यदि स्वस्थ जीवन बिताना चाहते हैं तो सबसे पहले क्रोध को त्यागिए। दूसरों के दोष मत देखिए। अपने को द्वेष से रहित कीजिए। उदारमना बनिए। किसी भी व्यक्ति के स्वयं को अप्रिय लगने वाले कार्यों का कारण ढूंढिए। एक शेर याद रखिए- कोई तो मजबूरी रही होगी, यों ही कोई बेवफा नहीं होता।जब आप तत्काल क्रोधित होने की बजाय उसके कारण को ढूंढने लगते हैं तो क्रोधावेग का वह क्षण लहर की बह जाता है। काम, क्रोध, मद, मोह को शत्रु कहा गया है। ये स्वास्थ्य के भी प्रबल शत्रु हैं। इनसे बचिए। कैसे?आसान है।

निरंतर इनके घातक प्रभावों पर सोचिए। आप अपने आप में परिवर्तन पायेंगे। मन चंगा हो जाएगा। कहा भी गया है-मन चंगा तो कठौती में गंगा। हमारे जीवन की रचना हमारे मन द्वारा होती है। जैसा हम सोचते हैं, वैसे ही हम हो जाते हैं। हमारी सोच, हमारा चिंतन हमारे शरीर तथा हमारे क्रिया-कलापों पर गहरा प्रभाव डालते हैं। मनुष्य वही तो है जो उसकी सारे दिन की सोच है। कहते हैं कि केवल दवाइयां ही नहीं स्वस्थ होने का विश्वास रोगमुक्ति के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। मन द्वारा उत्पन्न स्थितियों, सोच तथा विश्वास का हमारे शरीर और स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है। भय की समाप्ति ही उपचार है।' भय वस्तुतः एक कल्पना मात्र है, जो हमारे मन की उपज है।

झीलों की नगरी भोपाल में पधारे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का स्वागत वीडी शर्मा, प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह, भगवानदास सबनानी, कैलाश विजयवर्गीय, आलोक शर्मा, विश्वास सारंग आदि नेताओं ने किया।

शबरीमला अयप्पा सेवा समाज का दूसरा विशु संगम कल

भोपाल। हिंदू मलयाली समुदाय के नववर्ष पर्व विशु के शुभ अवसर पर, शबरीमला अयप्पा सेवा समाजम मध्य भारत प्रांत भोपाल द्वारा 14 अप्रैल 2025 को विशु संगम 2025 का आयोजन बड़े उत्साह और सांस्कृतिक भव्यता के साथ किया जा रहा है। यह आयोजन पिछले वर्ष की भांति इस बार भी पारंपरिक और सांस्कृतिक समृद्धता के साथ सम्पन्न होगा। कार्यक्रम का आयोजन गोविंदपुरा, हेमा हायर सेकेंडरी स्कूल (सिक्योरिटी लाइन, क्काश्वरु भोपाल) में शाम 6 बजे से शुरू होगा। उत्सव में विशुक्कणी, पारंपरिक नृत्य, और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल रहेंगी। इस अवसर पर प्रमुख हिंदू नेता और हिंदू ऐक्यवेदिक्ककेरल के कार्यकारी अध्यक्ष श्री वत्सन थिलंकरी परिवार में सजगता विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में विचार प्रस्तुत करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यभारत प्रांत के माननीय सहसंघचालक डॉ. राजेश सेठी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में नृत्य और कला प्रस्तुतियाँ, विशिष्ट अतिथियों का सम्मान, विशुक्कणी और सहभोज (डिनर) की व्यवस्था की गई है। स्रस्स मध्यभारत प्रांत सभी हिंदू परिवारों को इस सांस्कृतिक मिलन का हिस्सा बनने और सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता की मिसाल पेश करने के लिए सादर आमंत्रित करता है।

मध्यप्रदेश में पोषण पखवाड़ाः कुपोषण से जंग

भोपाल। मध्यप्रदेश में 8 से 22 अप्रैल 2025 तक सातवां पोषण पखवाड़ा पूरे जोश और जागरूकता के साथ मनाया जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी राज्य में विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से कुपोषण की रोकथाम और संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। केंद्र सरकार के इस महत्वपूर्ण अभियान का उद्देश्य आमजन, महिलाओं और बच्चों को पोषण के महत्व को समझाकर एक स्वस्थ समाज की नींव रखना है। पोषण पखवाड़ा 2025 में प्रमुखता से 4 विषयों जीवन के पहले 1000 स्वर्णिम दिवसों का महत्व, पोषण ट्रैकर ऐप के हितग्राही मॉड्यूल की जानकारी और उपयोगिता, ष्ट्रस्रू प्रोटोकॉल से गंभीर कुपोषित बच्चों का प्रबंधन और 6 वर्ष से कम बच्चों को मोटापे से बचाने पर फोकस किया जा रहा है। गर्भावस्था से लेकर जन्म के बाद पहले दो वर्षों तक के 1000 स्वर्णिम दिवस बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए बेहद अहम होते हैं। इस दौरान उनके जीवनकाल का 85 प्रतिशत बौद्धिक विकास हो जाता है। पोषण पखवाड़ा में इस अवधि के दौरान पोषण और देखभाल पर विशेष बल देते हुए माताओं को संतुलित आहार और स्तनपान के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जल की हर बूंद में जीवन, हर स्रोत में भविष्य का आधार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जल गंगा संवर्धन अभियान- जल संरचनाओं के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार में जन-भागीदारी का संकल्प

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आपः सुजिरा अमृतः सुवर्चाः शंभू मयोभूः, अर्थात जल न केवल अमृतस्वरूप है, बल्कि शुभ, पवित्र और जीवनदायक भी है। उन्होंने कहा है कि जल जीवन जीने का संसाधन मात्र नहीं, अपितु हमारा सनातन संस्कार है। हमारे ग्रंथ कहते हैं कि जल की हर बूंद में जीवन है और हर स्रोत में आने वाले कल का भविष्य छिपा है। इसलिए इस अमूल्य धरोहर की किसी भी मूल्य पर रक्षा करना हमारा दायित्व है।

इसी दायित्व की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' संचालित किया जा रहा है। इसमें नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के साथ-साथ पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों और जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई, जल स्त्रोतों के आस-पास पौध रोपण के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। जन-जागरुकता अभियानों के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में इस अभियान में जन-भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

छिंदवाड़ा जिले में सक्रिय जनसहयोग

छिंदवाड़ा जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में 30 मार्च से शुरू हुए कार्यों के अंतर्गत कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह ने जनपद पंचायत जुन्नारदेव पहुंच कर बुधवारा गांव में तालाब के गहरीकरण हेतु ग्रामवासियों के साथ मिलकर श्रमदान किया। तालाब के जीर्णोद्धार के साथ ही इसमें जमा गाद निकालकर सफाई

की जा रही है। इसी के साथ छिंदवाड़ा जिले की जन अभियान परिषद शाखा ने कन्हांन नदी तट की सफाई करते हुए जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

बुरहानपुर में जल संरक्षण के साथ पर्यावरण संतुलन का प्रयास

जल गंगा संवर्धन अभियान में वन विभाग द्वारा जिले के वन क्षेत्रों में स्थित जल-स्त्रोतों की सफाई, तालाब, बावड़ियों, स्टॉप डेम का गहरीकरण और पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। सोलाबरडी और गढ़ताल रेंज वन क्षेत्रों समेत जिले के 67 चिन्हित जल-स्त्रोतों की सफाई और गहरीकरण का काम किया जा रहा है। वन विभाग का अमला स्थानीय नागरिकों की भागीदारी से नदी, तालाबों, बावड़ियों में जमा कचरा, सूखे पत्ते, गाद और झाड़ियां को हटा रहा है। अमरावती नदी के तटों पर भी वृहद स्तर पर सफाई अभियान जारी है। इससे मानसून के दौरान इन स्त्रोतों में पानी का भराव आसानी से हो सकेगा। जल संरचनाओं में पानी का भराव होने से वन्य जीवों और पक्षियों को भी राहत मिलेगी और भूजल स्तर बना रहने से पर्यावरण भी संतुलित रहेगा।

देवास जिले में नये एवं पुराने जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के उद्देश्य से देवास जिले में भी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' 30 मार्च से 30 जून तक चल रहा है। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह एवं जिला पंचायत के सीईओ श्री हिमांशु प्रजापति के मार्गदर्शन में नये तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही पुराने तालाबों, बावड़ियों, नदियों एवं कुँओं का जीर्णोद्धार व पौधारोपण के कार्य जन-भागीदारी से किये जा रहे हैं। जिले की जनपद पंचायत खातेगांव में ग्राम पंचायत बछखाल के बोरदा गांव में तालाब का गहरीकरण किया गया है। इसी क्रम में जिला प्रशासन एवं ग्रामीणों के जनसहयोग से जिले की जनपद पंचायत देवास की ग्राम पंचायत गदाईशा पीपल्या में तालाब का गहरीकरण किया जा रहा है। इससे बारिश के दिनों में जल-संचय बढ़ेगा जिससे पेयजल एवं कृषि दोनों के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा।

शिवपुरी एवं शहडोल में श्री हनुमान जन्मोत्सव पर सामुदायिक श्रमदान

शिवपुरी जिले के विकासखंड शिवपुरी में निवर्तमान नवांकुर संस्था, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बूढ़ीबरोद, सेक्टर सुरवाया व ग्राम विकास समिति धुवानी के संयुक्त प्रयास से ग्राम धुवानी तालाब में श्रमदान कर मिट्टी हटाई गई और जल संरक्षण हेतु प्रेरणा दी गई। वहीं, शहडोल जिले में हनुमान जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन एवं नगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में प्राचीन विराटेश्वर मंदिर परिसर में स्थित बाणगंगा कुण्ड में सफाई अभियान चलाया गया। विधायक मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने इस अभियान में भाग लेते हुए जल संरक्षण की शपथ भी ली।

भोपाल। मंत्री कृष्णा गौर के नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी गोविंदपुरा विधानसभा का सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ। सम्मेलन में वक्ता के रूप में विधायक कृष्णा गौर, भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ नेता प्रदीप त्रिपाठी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनोज राठौर उपस्थित रहे। सम्मेलन में विधानसभा के समस्त सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह जानकारी मंडल अध्यक्ष लवकुश यादव ने दी।

आज भोपाल में पाम संडे पर ईसाई धर्मावलंबियों ने सेंट थॉमस मलंग कर चर्च मैदा मिल से खजूर की पट्टी लेकर जुलूस निकाला।

विकसित भारत के लिए संस्कार और स्वास्थ्य दोनों ही जरूरी: उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

चित्रकूट धाम स्वास्थ्य सेवा यात्रा 2.0 का शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हमारा देश विकसित भारत बनने के लिए तेजी से अग्रसर है। सारी दुनिया में यह मान्यता है कि सर्व कल्याण और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ भारत विश्वगुरू बने। विकसित भारत के लिए हमारे संस्कार और स्वस्थ्य भारत का होना भी जरूरी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल शनिवार को डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती पर दीन दयाल शोध संस्थान एवं नेशनल मेडिकोज आर्गनाइजेशन के संयुक्त तत्वाधान में 12 से 14 अप्रैल तक आयोजित चित्रकूट धाम स्वास्थ्य सेवा यात्रा 2.0 के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर स्वामी विश्वात्मानंद जी, जानकी महल चित्रकूट के सीताशरण जी महाराज, चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. भरत मिश्रा, एनएमओ के डॉ. विवेक चौकसे, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, कोषाध्यक्ष बसंत पंडित, कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस, जिला अधिकारी चित्रकूट धाम उ.प्र. श्री शिवशरण अप्पा, जनपद अध्यक्ष रेणुका जायसवाल, बालेन्द्र गौतम, डीन सतना मेडिकल कॉलेज एसडी गर्ग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी भी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भारत अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। आर्थिक रूप से सशक्त होने से कुछ बुराईयां भी सामने आती है। इन बुराईयों को दूर करने में हमारी संस्कृति और संस्कार सहयोगी होंगे। उन्होंने कहा कि

केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा सेवाओं के विस्तार और पैरामेडिकल क्षेत्र में लगातार विकास किया जा रहा है। केन्द्र सरकार ने पूरे देश में 75 हजार मेडिकल की सीटें बढाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि अधोसंरचना बढाने के साथ लोग जागरूक होंगे तो उसका पर्याप्त लाभ भी उठा पायेंगे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में शिविर और जांच अभियान चलाने से जागरूकता बढती है। उन्होंने कहा कि पीडित मानवता की सेवा करने से सम्मान और मोक्ष सब कुछ मिलता है। तीन दिन के स्वास्थ्य शिविरों में जाने वाले मेडिकल डॉक्टरों को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति की स्क्रीनिंग हो जाये तो बीमारी का आसानी से समय पर पता चल जाता है और उसका समय पर निदान भी संभव है। शिविर के माध्यम से मेडिकल स्टूडेंटों का कौशल और व्यवहारिक ज्ञान भी बढेगा। कार्यक्रम में विश्वात्मानंद महाराज ने अपने आर्शीवचनों में कहा कि जब श्रृष्टि की रचना हुई तो कष्ट और समस्यायें नहीं बनाई गई थी। संसार में ऐसा कोई कष्ट भी नहीं है जिसे दूर नहीं किया जा सकता है। कष्टों और समस्याओं को चुनौतियों पूर्ण ढंग से स्वीकार कर संकल्प लेकर जुटे तो सभी काम आसान हो जाते है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक के रूप में आप सब ईश्वर की संतान की सेवा कर रहे हैं और इस कार्य के लिए जन्म लेने का सौभाग्य आपको प्राप्त हुआ है। इसके पूर्व कार्यक्रम की रूपरेखा में राजेन्द्र सिंह ने बताया कि बाबा साहब अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर दीन दयाल शोध संस्थान और नेशलन मेडीकोज आर्गनाइजेशन के संयुक्त तत्वाधान में चित्रकूट की 50 किमी परिधि के 150 ग्राम पंचायतों में 13 और 14 अप्रैल को एक साथ स्वास्थ्य जागरूकता और उपचार शिविर लगाये जायेंगे। इन 150 ग्राम पंचायतों में मध्यप्रदेश की सतना जिले की मझगवां ब्लाक की 58 ग्राम पंचायत और उत्तरप्रदेश क्षेत्र की 92 ग्राम पंचायतें शामिल है। चिकित्सा टीम 13 अप्रैल को प्रातः 8 बजे गांवों में पहुंचेगी और 11 बजे से सायं 4 बजे स्वास्थ्य उपचार शिविर का आयोजन कर शाम को ग्राम भ्रमण कर स्वास्थ्य जागरूकता लायेगी। कार्यक्रम के

अंत में डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन ने आभार व्यक्त करते हुए बताया कि नेशनल मेडीकोज आर्गनाइजेशन के माध्यम से मेडीकल कॉलेज के लगभग 550 डॉक्टर एवं फैकलिटी मेम्बर 75 टोलियों में गांवों में जाकर अपनी सेवायें देंगे।

डॉ. अम्बेडकर को किया नमन

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को अम्बेडकर जयंती की शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित, शोषित और पीड़ित वर्गों के लिए जीवनभर संघर्ष करने वाले भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने हमें एक समतामूलक, न्यायपूर्ण और सशक्त लोकतंत्र का मार्ग दिखाया। उनके विचार और सिद्धांत आज भी हम सभी को प्रेरणा देते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने डॉ. अम्बेडकर को नमन करते हुए आह्वान किया है कि बाबा साहेब के सपनों के भारत के निर्माण में हम सब अपनी पूर्ण भागीदारी निभाएँ।

हनुमान प्राकटोत्सव के अवसर पर रामवन धाम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपने सतना जिले के प्रवास के दौरान शनिवार को रामपुर बघेलान में स्थित पवित्र धाम रामवन में हनुमान प्राकटोत्सव के पावन अवसर पर बजरंगबली की प्रतिमा के दर्शन किए एवं आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। इस मौके पर सांसद सतना गणेश सिंह, रामपुर बाघेलान विधायक विक्रम सिंह, सतना महापौर योगेश ताम्रकार, बालेन्द्र गौतम एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संपादकीय

'नरसंहारी' अब भारत की गिरफ्त में

दरअसल 26/11 मुंबई आतंकी हमला एक 'नरसंहार' था। उसमें 166 लोग मार दिए गए थे। यह दीगर है कि 9 आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया। करीब 300 लोग घायल हुए। एक आतंकवादी अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया था, जिसे बाद में फांसी दे दी गई। पाकिस्तान ने ही उस 'नरसंहार' की साजिश रची थी। इसका बुनियादी सबूत यह है कि साजिशकारों में तहव्वुर राणा भी शामिल था, जो पाकिस्तानी फौज में डॉक्टर था। साजिश और हमले के दौरान वह पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के मेजर इकबाल के लगातार संपर्क में रहा। अब 16 लंबे सालों और कुछ महीनों के बाद आतंकी साजिशकार तहव्वुर राणा भारत की गिरफ्त में है। हम राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं, क्योंकि उनके प्रशासन के तहत ही राणा का प्रत्यर्पण संभव हो सका है। 2014 में प्रधानमंत्री मोदी की सत्ता के बाद ही अमरीका के साथ प्रयास शुरू कर दिए गए थे, लेकिन राणा ने वहां की सर्वोच्च अदालत तक गुहार लगाई कि उसे भारत न भेजा जाए, क्योंकि उसे वहां की जेल में मारा जा सकता है, लेकिन नरसंहार की साजिश के साक्ष्य इतने पुख्ता थे कि अंततः अदालत ने प्रत्यर्पण के पक्ष में फैसला सुनाया। अब भारत में राणा के खिलाफ 'राष्ट्रीय जांच एजेंसी' (एनआईए) की अदालत में केस चलेगा। राणा के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, यूएपीए, भारत के खिलाफ युद्ध आदि की धाराओं के तहत केस चलेगा। बेशक बहुत देर हो चुकी है, लेकिन साक्ष्य आज भी जिंदा हैं। राणा भारत की गिरफ्त में है और सह-साजिशकार डेविड हेडली अब भी अमरीकी जेल में कैद है। उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अभी शुरू भी नहीं हुई है। वह अमरीकी नागरिक है। हालांकि भारतीय एजेंसियां एक बार उसके साथ सवाल-जवाब कर चुकी हैं। उसी के बाद वह 'सरकारी गवाह' किस्म का आरोपित बन गया था। भारत सरकार को उसे भी हासिल करने की कोशिशें छोडऩी नहीं चाहिए। बहरहाल एनआईए के आरोप-पत्र के मुताबिक, राणा ने भारत में ही हेडली से 231 बार संपर्क किया था। उन्होंने 8 रेकी मिशन भी चलाए थे और नरसंहार से पहले, अपने आखिरी मुंबई प्रवास के दौरान, राणा ने 66 फोन कॉल की थीं। राणा नवंबर, 2008 में ही दिल्ली में भी 11 दिनों तक ठहरा था। फिर पवई के एक होटल में रहा।

आतंकी हमले से पहले राणा दुबई चला गया था। भारत सरकार का मकसद है कि अब तहव्वुर राणा के खुलासों के जरिए पाकिस्तान की आतंकी भूमिका, दुनिया के सामने, बेनकाब की जानी चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि भारत सरकार ने अमरीकी प्रशासन को जो डोजियर भेजा था, उसमें राणा और हेडली के अलावा हाफिज सईद, जकीउर रहमान लखवी, इलियास कश्मीरी, साजिद मीर और आईएसआई के मेजर इकबाल से संबंधित ब्यौरे भी दिए गए थे। राणा को आईएसआई, हेडली और लश्कर-ए-तैयबा के दरमियान का संपर्क बताया गया था। अब इन खुलासों को भारत सरकार राणा के जरिए सत्यापित करना चाहती है। इनमें अधिकतर आरोपित पाकिस्तान में आज भी सक्रिय हैं। गौरतलब यह है कि यदि भारत सरकार नए सिरे से फाट्फ के सामने, पाकिस्तान के खिलाफ, पुख्ता सबूत रखती है और फाट्फ पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' में डालने का फैसला करता है, तो दुनिया में पाकिस्तान को भीख मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, निर्णायक तौर पर, इसी तरह लड़ी जा सकती है। एनआईए के लिए यह एक बहुत महत्वपूर्ण अवसर है। राणा से बेहतर पूछताछ के जरिए आतंकी नेटवर्क पर प्रहार करने की क्षमता वह बढ़ा सकती है। राणा को अमरीका में सजा भी होती रही और सजा से माफी भी मिलती रही, लेकिन फिलहाल वह एक 'हिरासत केंद्र' में कैद था। राणा और हेडली ने डेनमार्क पर भी आतंकी हमले की साजिश रची थी। उसका रहस्य खुल गया, लिहाजा दोनों ही जेल में थे। बेशक पाकिस्तान मूल का राणा अब कनाडा का नागरिक है, लेकिन भारत का गुनाहगार है। जब हमारी अदालत राणा और दूसरे साजिशकारों को सजा सुनाएगी, तभी पीड़ितों को 'इंसाफ' मिलेगा।

आरक्षण भोगी अभिजात्य वर्ग और अंबेडकर

■ डॉ. ब्रह्मदीप अलूने
वैदेशिक मामलों के जानकार

डॉ.अंबेडकर भारत के संभवतः सबसे ज्यादा पढ़े लिखे और विशिष्ट अकादमिक डिग्री हासिल करने वाले शख्सियत थे। वे भारत के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भी बन सकते थे,लेकिन यदि उन्हें यह पेशकश की गई होती तो वे इसे शायद ही स्वीकार करते। इस बात की पूरी संभावना है की इससे वे यह कहकर इंकार कर देते की उनकी जगह किसी वंचित वर्ग के व्यक्ति को यह पद दिया जायें तो ज्यादा लाभदायक होगा। डॉ.अंबेडकर की सामाजिक न्याय की स्थापना के आग्रह के प्रति गहरा सम्मान दिखाते हुए ही भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश बी.आर.गवई ने कहा कि मैं डॉ.अंबेडकर के कारण सुप्रीम कोर्ट का जज हूं। डॉ.अंबेडकर के कारण है कि मेरे जैसा व्यक्ति,जो एक झुग्गी-झोपड़ी इलाके में एक नगरपालिका स्कूल में पढ़ता था,इस पद तक पहुंच सका। न्यायाधीश गवई भी दलित समुदाय से ही है। वे अगले महीने यानि मई 2025 में भारत के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे और दलित समुदाय से इस पद तक पहुंचने वाले दूसरे न्यायाधीश होंगे।

दरअसल आरक्षण को लेकर डॉ.अंबेडकर की स्पष्ट सोच थी की यह वंचित वर्ग के लिए सामाजिक और आर्थिक समानता प्राप्त करने का एक संविधानिक अधिकार है। जस्टिस गवई ने कहा कि हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लोगों को अंबेडकर की वजह से पहचान मिली। आज़ादी के आठवें दशक में प्रवेश कर चूके भारत में आज भी हाशिए पर पड़ा समाज अपनी मूलभूत जरूरतों और दो जून की रोटी के लिए संघर्षरत है। उनकी संख्या में कोई कमी नहीं आई है और वह बढ़कर करोड़ों में चली गई है। इसके बाद भी की एससी,एसटी और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण राजनीति से सरकारी नौकरी तक देश में लागू है और अब यह सामान्य गरीब वर्ग तक भी पहुंच गया है।

भारतीय संविधान में आरक्षण की जो व्यवस्था की गई थी,उसका उद्देश्य केवल कमजोर और दबे कुचले लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाना था। डॉ.अंबेडकर का उद्देश्य एक समान और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना था और आरक्षण का प्रयोग तब तक किया जाना चाहिए जब तक समाज में वास्तविक समानता नहीं आ जाती। आरक्षण को एक स्थायी व्यवस्था न मानते हुए,डॉ.अंबेडकर ने इसे एक अस्थायी उपाय के रूप में देखा था। उनके लिए यह आरक्षण और उससे होने वाले विकास के द्वार किसी परिवार तक सीमित नहीं थे,यह समूचे समाज के विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाले थे।

लेकिन डॉ.अंबेडकर के उद्देश्य के इतर एससी एसटी का आरक्षण तब विवादों में घिर गया जब राजस्थान में भील बनाम मीणा और बिहार में दलित बनाम महादलित का नारा बुलंद हुआ। दलित या अनुसूचित जातियों की आबादी की बात की जाएं तो यह भारत की कुल आबादी का साढ़े सोलह फीसदी हैं। भारत में आदिवासियों की आबादी तकरीबन ग्यारह करोड़ है यह देश की कुल आबादी का साढ़े आठ फीसदी है। आदिवासियों को भारत के संविधान में अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है। बीसवीं सदी की शुरुआत में दलित और आदिवासियों की सामाजिक,शैक्षिक और आर्थिक स्थिति एक जैसी ही थी। गिने-चुने लोग ही थे,जो गिरी हुई हालत से ऊपर उठ सके थे। 21 वीं सदी में यह स्थिति बदली है। आरक्षण से आदिवासियों और दलितों के एक तबके को फ़ायदा हुआ है और अस्तित्व के लिए उनकी लड़ाई आसान हुई है। आदिवासियों और दलितों के एक तबके ने काफी तरक्की कर ली है,लेकिन अभी भी ज़्यादातर लोग उसी हालत में हैं,जिस स्थिति में वो आज से एक सदी पहले थे। जिस तरह से आरक्षण की नीति बनाई गई है,ये उन्हीं लोगों को फ़ायदा पहुंचाती आ रही है,जो इसका लाभ लेकर आगे बढ़ चुके हैं। नतीजा ये है कि दलितों और आदिवासियों में भी एक छोटा तबका ऐसा तैयार हो गया है जो अमीर है और जिसे व्यवस्था का लगातार फ़ायदा हो रहा है।

कानून बनाना विधायिका का काम है और सुप्रीम कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। लेकिन सुप्रीम कोर्ट इस बात पर सहमत है की एससी,एसटी आरक्षण में बदलाव होना चाहिए और इसमें क्रीमीलेयर का प्रावधान होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एक अगस्त 2024 को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण बारे में ऐतिहासिक फ़ैसला सुनाते हुए कहा था कि सरकार इन समुदायों के आरक्षण सीमा के भीतर अलग से वर्गीकरण कर सकती है। क्रीमी लेयर से मतलब उस वर्ग से है जो आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रगति कर चुका है। इस श्रेणी में आने वाले लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलता है।

सुप्रीम कोर्ट के एससी एसटी आरक्षण में कोटा लागू करने की इजाजत देने के खिलाफ दलित आदिवासी संगठनों ने भारत बंद बुलाया था। इस दौरान नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गनाइजेशन ने इसे दलित और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताया था। 2018 में भी ऐसा ही फैसला देते हुए अदालत ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में भी क्रीमी लेयर का नियम लागू होगा। जस्टिस नरीमन ने कहा था,आरक्षण की व्यवस्था का मकसद नागरिकों के बीच पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाना है जिससे वे भारत के अन्य नागरिकों की तरह समानता के आधार पर पर हाथ से हाथ मिलाकर चल सकें।

यह भी दिलचस्प है की बड़े और मलाईदार पदों पर बैठे एससी एसटी के लोग उच्च और महंगे शिक्षा संस्थानों में अपने बच्चों को शिक्षा दिलवाकर उसी आरक्षण का लाभ उठा रहे है जिसका मक़सद आदिवासियों और दलितों की भलाई और उनकी तरक़्क़ी था,लेकिन इसने गिने चुने लोगों को फ़ायदा पहुंचाया है। इसकी वजह से ज़ाति-व्यवस्था के समर्थक इस ज़ातीय बंटवारे को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं,जो कि आदिवासी और दलित हितों के लिए नुक़सानदेह है। एससी,एसटी पर क्रीमी लेयर के विरोध में कथित रौबदार दलित आदिवासियों ने आवाज बुलंद की तो आम गरीब आदिवासी सडकों पर उमड़ पड़े। जबकि कथित अभिजात्य हो चूकी उनकी संतान सड़कों के बजाय उस समय महंगे कोचिंग संस्थानों में पढ़ रही होगी।

डॉ.अंबेडकर ने कल्पना की थी कि आरक्षण की मदद से आगे बढ़ने वाले दलित और आदिवासी अपनी बिरादरी के दूसरे लोगों को भी समाज के दबे-कुचले वर्ग से बाहर लाने में मदद करेंगे। मगर,हुआ ये है कि तरक्कीयाफ़्ता आदिवासियों और दलितों का ये तबका,सामाजिक तौर पर खुद को ऊंचे दर्जे का समझने लगा है। आदिवासियों और दलितों की ये क्रीमी लेयर बाक़ी दलित आदिवासी आबादी से दूर हो गई है। डॉ.अंबेडकर ने एक ऐसे फॉर्मूले की आवश्यकता पर बल दिया था,जो अवसर की समानता को उन समुदायों के लिए आरक्षण प्रदान करने के साथ संतुलित कर सके,जिन्हें ऐतिहासिक रूप से प्रशासन से बाहर रखा गया था। अभी भी दलित आदिवासी का एक बड़ा तबका आरक्षण के फायदों से दूर है और उन्हें इसका फायदा तब ही मिल पायेगा जब वे आरक्षण भोगी अभिजात्य वर्ग को चुनौती देने का साहस करेंगे। डॉ.अंबेडकर को भी इस अभिजात्य वर्ग की कल्पना रही होगी इसीलिए उन्होंने अपने जीवनकाल में ही एक सम्मेलन में आरक्षण समाप्त करने की बात कह दी थी।

राज्यपाल की भी रहेगी समय सीमा

सरयूसुत मिश्रा

सुप्रीम कोर्ट राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच विवाद के बहुत बड़े मुद्दे पर विराम लगा दिया है. अब गवर्नर के लिए विधानसभा में पास विधेयकों को समय सीमा में फैसला करना होगा..!!

सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले में कहा कि, राज्यपाल के पास वीटो पावर नहीं है. तमिलनाडु सरकार द्वारा, राज्यपाल के खिलाफ यह याचिका लगाई गई थी.

वर्षों से विधानसभा से पास दस विधेयकों को तमिलनाडु के राज्यपाल ने रोक रखा था. सुप्रीम कोर्ट ने इन विधेयकों को मंजूर करने का निर्णय दिया है. असाधारण फैसला देते हुए सर्वोच्च अदालत ने उन सभी विधेयको को मंजूर कर दिया जो राज्यपाल द्वारा रोके गए थे.

अब सभी राज्यपालों को एक से तीन माह के भीतर बिल पर फैसला लेना होगा. सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने राजभवन से राजनीति की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है.

राज्यपाल बनाम राज्य एक पुरानी कहानी है. मुख्यमंत्री और राज्यपालों के बीच विवाद का लंबा इतिहास है. केंद्र में काबिज पार्टी के अतिरिक्त अन्य दलों द्वारा शासित राज्यों और राज्यपालों में टकराव कांग्रेस की सरकारों में भी होता था. और अब बीजेपी की सरकार में भी हो रहा है.

तमिलनाडु में मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच विवाद पहले भी सुप्रीम कोर्ट जा चुका है. संविधान में राज्यपाल के पास यह शक्तियां हैं, बिना उनके अनुमोदन के कोई भी विधेयक कानून नहीं बन सकता. इसी शक्तियों का उपयोग राज्यपाल वीटो के रूप में करते रहे हैं. संविधान राज्पालों को यथासंभव समय में काम करने का अधिकार देता है लेकिन कोई समय सीमा नियत नही है. इसी प्रावधान पर राज्यपाल विधेयकों को बरसों लंबित रखते है.

राज्यों में उच्च शिक्षा में राज्यपालों का हस्तक्षेप होता है. विश्वविद्यालय के राज्यपाल कुलाधिपति होते हैं. विपक्षी शासित राज्यों में विश्वविद्यालय को लेकर विवाद बढे हैं. कुलपतियों की नियुक्ति में भी ऐसे ही हालात हैं. जिन राज्यों में केंद्र और राज्य की सरकारें एक ही दल की है, उन राज्यों में यह समस्याएं नहीं होती लेकिन जहां विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां यह समस्या अवश्य उत्पन्न होती है. राजभवन, राजनीति भवन नहीं बन सकते. सबसे बड़ा सवाल संविधान सम्मत ढंग से सरकारों और राजभवन के संचालन का है. संविधान पर ही राजनीति हो रही है लेकिन उसके अनुरूप काम हो रहा है या नहीं, इसकी सुरक्षा किसकी जिम्मेदारी होगी?

निर्वाचित राज्य सरकारें अगर कोई विभेदकारी कानून बनाती हैं, तो फिर उनको रोकने की क्या सुप्रीम कोर्ट के अलावा किसी के पास शक्ति नहीं है? अगर कोई राज्यपाल विधानसभा से पास किसी कानून को संविधान के अनुरूप नहीं मानता तो क्या उसे भी अपनी बात संवैधानिक ढंग से रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ेगा.

लोकतंत्र संतुलन का और संवाद का तंत्र है. राज्य सरकार तो राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकती है लेकिन क्या राज्यपाल को यह अधिकार है कि वह भी अपनी बात कहने के लिए कोर्ट के सामने जा सकता है. सुप्रीम कोर्ट कई राज्य सरकारों के बुलडोजर एक्शन को असंवैधानिक मानता है. अगर राज्यपाल ऐसी क्रिया को असंवैधानिक घोषित कर दे तो फिर राजनीति शुरू हो जाती है. कई राज्यों में तो ऐसे हालात हैं कि, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच संवाद तक नहीं है. यहाँ तक घटनाएं सामने आई है, जहां राज्यपाल के खिलाफ राज्य की एजेंसी में केस चलाने की बातें कही हैं.

ममता बनर्जी और बंगाल के राज्यपाल के टकराव ने तो सारी सीमाएं तोड़ दी. तमिलनाडु में भी ऐसे ही हालात बने हुए हैं. जहां सीमा नहीं है, उसे राजनीति नहीं कहा जा सकता. चाहे विधायिका हो या कार्यपालिका, उसे अपनी सीमाओं पर तो ध्यान रखना ही पड़ेगा.

राजभवन, राजनीति भवन तो नहीं बन सकते. राजभवन की भूमिका संविधान भवन के रूप में ही हो सकती है. संविधान की शपथ और उसका संरक्षण ही उसकी नीति हो सकती है. विधायिका तो राजनीति का ही केंद्र है. विधायिका के मार्गदर्शक के रूप में गवर्नर की भूमिका है. इस भूमिका पर राज्य सरकारों और गवर्नर दोनों को संविधान के अनुरूप आचरण की आवश्यकता है.राज्य सरकारें मतदाता की राजनीति करती हैं. गवर्नर संविधान की नीति चलाते हैं. विवाद की शुरुआत तभी होती है जब दोनों पक्षों में से कोई एक तरफा राजनीतिक लक्ष्य साधने के लिए काम करने लगते हैं. अधिकांशतः राजनीति में रिटायर्ड राजनेताओं को राजभवन में बैठाया जाता है. ऐसे राजनेता गवर्नर तो बन जाते हैं लेकिन उनकी मानसिकता गवर्नेंस की होती है.

राज भवन में भी संविधान के संरक्षण से आगे बढ़कर गवर्नेंस में सीधी भागीदारी राज्यपालों की समस्या बन गई है. मध्य प्रदेश के सतना के रहने वाले बैरिस्टर गुलशेर अहमद राज्यपाल के पद से इसलिए हटाए गए थे कि उन्हें राजनीति में प्रचार का दोषी पाया गया था. उनके पुत्र सतना से चुनाव लड़ रहे थे. मुख्यमंत्री के रूप में अर्जुन सिंह प्रचार के लिए जा रहे थे. उनकी सभा में गवर्नर नहीं जा सकते थे इसलिए रास्ते में ही जाकर मुख्यमंत्री से गवर्नर ने मुलाकात की. इसके फोटो कैप्चर हो गए और मीडिया में सुर्खियां बन गए. चुनाव स्थगित किया गया और राज्यपाल अहमद को हटाया गया.

यह अकेली घटना नहीं है. हर राज्यपाल अपने पैतृक राज्य और परिवार की राजनीति में भूमिका निभाता है. संविधान के अनुरूप ही राजनीति होती है लेकिन अगर संविधान के साथ ही राजनीति होने लगे तो फिर तो संविधान ही राजनीति का शिकार हो जाएगा.

इस समय देश में ऐसा ही हो रहा है. हर राजनीतिक दल और नेता संविधान लहरा कर संविधान की कसमें खाता है और एक दूसरे को संविधान का धोखेबाज बताता है. जब संविधान के मुख्य स्टेकहोल्डर ही एक दूसरे को धोखेबाज साबित कर रहे हैं तो यह तो कहा ही जा सकता है कि, संविधान के साथ धोखा तो हो रहा है. लेकिन उसके लिए वास्तविक रूप से कौन जिम्मेदार है, यह कहना बहुत मुश्किल है.

राजभवन में राजनीति असंवैधानिक हो सकती है लेकिन सड़क पर असंवैधानिक राजनीति को संविधान से कवर किया जा सकता है. चाहे ष्ट पर राजनीति हुई हो, चाहे अभी वक्फ़ बोर्ड पर जो राजनीति हो रही है, वह संवैधानिक अधिकारों के नाम पर असंवैधानिक राजनीति का ही नमूना है.

सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य है. लेकिन संविधान के नाम पर असंवैधानिक राजनीति पर भी ऐसे कठोर फैसले की जरूरत है. गवर्नर को राजनीति से दूर होना जरूरी है, तो राज्य सरकारों की राजनीति को संविधान के दायरे में होना भी जरूरी है.

जब गवर्नर और सरकारें दोनों संविधान की संविधान द्वारा और संविधान के लिए काम कर रही हैं तो फिर संवैधानिक ईमानदारी रहेगी तो टकराव की संभावनाएं ही नहीं होगी. विधायिका जीते या गवर्नर..लोकतंत्र तो तब खुश होगा जब संविधान जीतेगा.

प्रपंचवटी से राहुल गांधी का कांग्रेस को सत्ता में लाने का दिवा स्वप्न

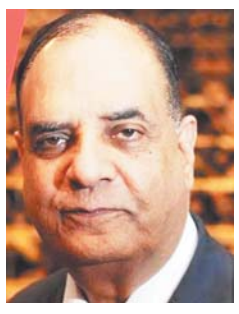

आलोक मेहता

इंदिरा राज के दौरान 1973 -74 में गुजरात में असंतुष्ट कांग्रेसी कहते थे कि मुख्यमंत्री चिमनभाई पटेल अपने भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों की आवाज़ बंद करने के लिए प्रपंचवटी में षड्यंत्र करते थे। चिमनभाई के मंत्रणा कक्ष को यही नाम दिया गया। कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी उसी गुजरात से सत्ता की लड़ाई का ऐलान करते हुए अपने सलाहकारों से मंत्रणा कर पार्टी में असंतुष्टों को हटाने की घोषणा कर रहे हैं और इसका कारण मंदिर , हिंदुत्व जैसे मुद्दों पर उन लोगों के कुछ विचार भारतीय जनता पार्टी से मिलते जुलते हैं। राहुल गाँधी ने अहमदाबाद के कांग्रेस महाधिवेशन से पहले और बाद में भी बड़े बदलाव और भाजपा खसकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध अभियान के लिए आक्रामक भाषण दिए । इसलिए गुजरात के पुराने कांग्रेसी या पत्रकार प्रपंचवटी को याद कर रहे हैं । वे यह भी याद दिला रहे कि इसी गुजरात सेक्रचिमनभाई पटेल जैसे नेताओं के कारण कांग्रेस का पतन हुआ। सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी के सलाहकार प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष भारत सिंह सोलंकी जैसे नेताओं को पार्टी से निकालना चाहते हैं ? तभी तो कांग्रेस महाधिवेशन के दौरान उन्हें कहीं सामने नहीं आने दिया। राहुल के सेनापति वेणुगोपाल भले ही नए हैं , लेकिन क्या सोनिया गाँधी और उनकी करीबी पुरानी सहयोगी अम्बिका सोनी तो जानती हैं कि भारत सिंह के पिता माधव सिंह सोलंकी ने न केवल गुजरात कांग्रेस में बल्कि केंद्र में विदेश मंत्री रहते बोफोर्स कांड सहित कई मामलों में गांधी परिवार की कितनी सहायता की थी । महाधिवेशन में प्रियंका गांधी की अनुपस्थिति को भी प्रपंचकारियों का षड्यंत्र माना जा रहा है। उन्हें यह भय लगा रहता है कि प्रियंका के रहने पर लोग राहुल गाँधी के प्रति अधिक न आशा रखते हैं और न कोई आकर्षण। कई तो उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनाने के नारे लगा देते हैं। सचमुच यह बहाना अजीब लगता है कि निजी विदेश यात्रा के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण प्रियंका नहीं रही । क्या पार्टी के ऐतिहासिक महत्वपूर्ण सम्मेलन के लिए परिवार की एक जिम्मेदार सांसद अपने यात्रा टिकट नहीं बदल सकती हैं ? यही नहीं जिस वक्फ कानून में संशोधन के पारित होने पर राहुल आग उगल रहे हैं , उस प्रस्ताव पर मतदान के समय उनकी प्रिय बहन सांसद विरोध का वोट देने तक नहीं आई। वहां तो बड़ा भाई ही प्रतिपक्ष का नेता है । तो क्या प्रियंका भी सरकारी कानून से सहमत रही हैं। तो क्या उन पर भी अनुशासन कार्रवाई हो सकती है ?

कांग्रेस की कोशिश गुजरात की धरती से भारतीय जनता पार्टी, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देने की रही है। पिछले महीने राहुल गांधी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में थे, तब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया था। राहुल गांधी ने अधिवेशन में दिए अपने भाषण में कहा कि कांग्रेस दलित, मुस्लिम व ब्राह्मण को साधती रही और अति पिछड़ा जातियां

(ओबीसी) हमसे दूर चली गईं। यह और बात है कि एक समय कांग्रेस का नारा था कि न जात पर-न पात पर, इंदिरा जी की बात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। ओबीसी को आरक्षण की सिफारिश करने वाले मंडल आयोग के विरोध में राहुल गांधी के पिता स्वर्गीय राजीव गांधी ने संसद में सबसे तीखा भाषण दिया था। आरक्षण का दायरा बढ़ाने के विरुद्ध इंटरव्यू दिए थे । धीरे धीरे पिछड़े , दलित , आदिवासी और मुस्लिम कांग्रेस से दूर होते गए और क्षेत्रीय पार्टियों में चले गए । वहीँ ब्राह्मण क्षत्रिय और वणिक समुदाय राम मंदिर आंदोलन के बाद भाजपा के साथ अधिक जुड़ते चले गए। जहां-जहां क्षेत्रीय दल जैसे समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सत्ता में आए, वहां मुस्लिम कांग्रेस से छिंटक गया। हालांकि, मुस्लिमों को दोबारा अपने साथ लाने की कांग्रेस की कोशिशें तेज हो रही हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि मुस्लिम हितों को लेकर वो पीछे नहीं हटेंगे। यह और बात है कि यह कोशिशें उसके सहयोगी दलों को रास नहीं आ रही हैं। जम्मू कश्मीर के अनुच्छेद 370 को ख़त्म करने , नागरिकता संशोधन कानून और अब वक्फ संशोधन कानून पर कांग्रेस का रुख देश के बहुसंख्यकों को रास नहीं आया है। पिछले दिनों संपन्न प्रयागराज महाकुंभ और सदुरु के कार्यक्रम में शामिल होने पर जिस तरह से कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की पार्टी के अंदर से आलोचना हुई, उसने भी कांग्रेस को लेकर बहुसंख्यकों को निराश किया।

अहमदाबाद अधिवेशन प्रतीक के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल स्मृति स्थल पर हुआ और उनका नाम लेकर भाजपा संघ पर हमले किए गए । लेकिन गुजरात में ही सरदार पटेल के लिए बने विश्व के सबसे बड़े ' स्टैचू ऑफ यूनिटी 'को देखने आज तक राहुल गांधी नहीं गए हैं।कांग्रेस के नेता स्टैचू ऑफ यूनिटी पर जाने से परहेज करते हैं, क्योंकि इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनवाया है। सरदार पटेल की विरासत को अपने हाथों से जाता देख कांग्रेस परेशान भी है। गुजरात में पिछले तीन दशक से कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर है। विगत् विधानसभा चुनाव में तो उसका अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को बहुत अधिक सफलता गुजरात में नहीं मिली, लेकिन राहुल गांधी को शायद लग रहा है कि गुजरात के रास्ते वह देश की सत्ता को पुनः हासिल कर सकते हैं। शायद राहुल गांधी गुजरात से नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देकर अपने कथित विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों को बताना चाहते हैं कि वो गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि राहुल गाँधी और उनकी प्रपंच चौकड़ी संसद से सड़क तक जिन अम्बानी अडानी समूहों के विरुद्ध लगातार गंभीरतम हमले कर रही है , वे गुजराती ही हैं और उनके औद्योगिक समूहों से लाखों लोगों को रोजगार मिल रहा है और उनकी कंपनियों में करोड़ों रुपयों के शेयर भी लगे हुए हैं। यही नहीं अन्य उद्योगपति भी इस तरह की दबावी राजनीति से विचलित हैं। कांग्रेस की राजनीति को जानने वाले क्या यह भूल सकते हैं कि इन्ही अम्बानी अडानी , टाटा , बिरला , डालमिया , हिंदुजा समूहों ने ही कांग्रेस को अधिकाधिक मदद की , फंडिंग की , देश विदेश में बचाया । आखिरकार मिलिंद देवड़ा , जितिन प्रसाद , ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे नेता के परिवार ही तो इन समूहों से कांग्रेस को सहायता दिलाते थे । वह तो गनीमत है कि वे पुराने बहीखातों के राज नहीं खोल रहे हैं । मुस्लिम नेताओं में गुलाम नबी आज़ाद जैसे दिग्गज राहुल टीम से तंग आकर बाहर गए । सबसे वफादार अहमद पटेल की बेटी मुमताज को पिछले चुनाव में टिकट तक नहीं दिया और सीट केजरीवाल पार्टी को दे दी । बिहार में इसी साल चुनाव है , लेकिन पुराने कांग्रेसी नेता या कार्यकर्तृता क्या तेजस्वी की पालकी उठाने को तैयार होंगे ? बिहार उत्तर प्रदेश आदि में वेणुगोपाल क्या किसी एक चुनाव क्षेत्र में किसीको जितवा सकते हैं ? दक्षिण में राजीव की हत्या में लिट्टे का साथ देने के आरोप तो सोनिया गाँधी की कांग्रेस ने लगाए और नरसिंघ राव को सहित पार्टी तुड़वा दी और हरवा दी । अब राहुल को उसी द्रमुक प्रिय है , लेकिन क्या दिल दिमाग से उसका साथ देंगें । इसलिए प्रपंचवटी से राहुल के सिंहासन का रास्ता कैसे निकलेगा ?

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail–com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakashÐin

प्रभारी कलेक्टर एवं एसपी ने किया हैलीपेड का निरीक्षण

मंडला। जिले में होने वाले आगामी 16 अप्रैल 2025 को मुख्यमंत्री के टिकरवारा में संभावित प्रवास को ध्यान में रखते हुए प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकचेला ने ग्राम ग्वारा स्थित हेलीपेड का अवलोकन करते हुए तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हेलीपेड में सुरक्षा,बेरीकेटिंग, फायरब्रिगेड आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें।इस दौरान प्रभारी कलेक्टर ने ग्रीनहाऊस शौचालय व्यवस्था,ग्वारा तिराहा से लेकर हवाईपट्टी तक आवश्यकतानुसार सड़क की मरम्मत के संबंध में चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह,अपर कलेक्टर अरविंद सिंह,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा सहित संबंधित उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति का आदि उत्सव में संभावित दौरा कार्यक्रम प्रस्तावित

मंडला। जिले में 02, से 04 मई तक रामनगर में आदि उत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। आदि उत्सव मे महामहिम राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू जी का आगमन प्रस्तावित है।कार्यक्रम की व्यापक तैयारियाँ को लेकर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने जिले के अधिकारियों की बैठक कर आदि उत्सव के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की,इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके जिला पंचायत अध्यक्ष,जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांश कूमट,अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिवकुमार वर्मा,एसडीएम मंडला सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में श्री कुलस्ते ने कहा कि आगंतुकों के लिए भोजन,बैठक,पेयजल का भी व्यापक प्रबंध किया जाना है।कार्यक्रम स्थल पर यतायात-पार्किंग आगमन- प्रस्थान मार्ग पृथक-पृथक करने के साथ कार्यक्रम स्थल में साज-सज्जा की तैयारियां करने के निर्देश दिए।बैठक में सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि आयोजित कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार हो ताकि में अधिक से अधिक नागरिक उत्सव में शामिल होकर इसे सफल बना सकें।

सीएमओ राजेश सक्सेना की एक और अनोखी पहल

आष्टा। पार्वती नदी में दिनों दिन पानी कम होने के कारण दिनांक 11 अप्रैल शाम 5ः00 बजे राजेश सक्सेना निकाय के जल शाखा प्रभारी प्रमोद साहू सहायक यंत्री आकाश सहायक लेखा अधिकारी यश कौशल उपयंत्री अनिल धुर्वे आदित्य लेखपाल मनीष श्रीवास्तव जगदीश वर्मा नारायण सोलंकी इसरार खा रमेश यादव कैलाश माली कंप्यूटर ऑपरेटर कृष्ण मोहन जोशी रोहित कालेकर राहुल मालवीय कुलदीप सोनी रोहित सोनी राहुल बड़ोदिया गोलू सरवन सोलंकी प्रियंका शर्मा अमर राजेश सफाई दरोगा राज रैकवार आदि कर्मचारि को लेकर चाच रसी गांव ताजपुर एवं वार्ड नंबर 6 मैं कुछ लोगों द्वारा नदी का पानी अपने कुआ बावड़ी के माध्यम से खेत में सिंचाई हेतु लेने संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर सभी का निरीक्षण (04) मोटर जप्त की गई ।

डार्क जोन में रतलाम ज़िले के कई गांव पानी कि किल्लत से उभारने का प्रयास करते जल संरक्षण कार्यकर्ता

जल बचाओ जीवन बचाओ पहल , कैलाशवासी रमन अग्रवाल

रतलाम। 2 अप्रैल 2025 रतलाम ज़िले के कई गांवों में जल स्तर कम होने के कारण अप्रैल मई के माह तक जल संकट गहराने लगता हैं जिसे उभारने के लिए जल संरक्षण कार्यकर्ता अपने अपने स्तर पर जल बचाओ मुहिम को चलाने का कार्य करते हैं जिस ओर लगभग पांच वर्षों से अधिक समय से जल संरक्षण को लेकर एक्टिव रूप से कार्य कर रहे युवा जनसेवक टीम सदस्यों द्वारा लगातार स्टॉप डेम, तालाब गहरीकरण रख रखाव को लेकर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं जिसे लेकर टीम सदस्य ग्रीष्म काल आते ही जर्जर ओर रख रखाव से खस्ता पड़े जल स्त्रोतों के संरक्षण का कार्य करते हैं टीम सदस्य लखन पंवार ने बताया कि वर्तमान में रतलाम जिलें के आस पास बहती माही, शिवना, शिप्रा से जुड़ी सहायक नदियों ओर नदियों किनारे जुड़े गांवों से बहते खाल में बने छोटे बड़े स्टॉप डेम, चेक डेम में बारिश के समय गाद और बारिश में बहकर आई पेड़ों के अवशेष डैम के मुख्य मार्ग पर भराव का कार्य करते हैं जिन्हें हटाने का कार्य हम करते हैं जिससे जल भराव हो ओर पानी का ठहराव होने से आस पास के कुएं, ट्यूबवेल आदि में जल स्तर बड़े साथ ही पेयजल और किसानों को सिंचाई हेतु जल पर्याप्त मिल सके। वहीं आवश्यकता लगी तो ज़िला प्रशासन से सहयोग अनुरूप गहरिकरण कार्य किया जाएगा पूर्व में भी तालाब स्टॉप डेम के लिए प्रशासन से परमिशन पर जनभागीदारी से कार्य पूर्ण किया गया है,टीम द्वारा ग्वालियर के वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रख्यात समाजसेवी रमन अग्रवाल जी कि स्मृति में बोरखेड़ा पंचायत में स्टॉप डेम पर सफ़ाई कार्य किया गया वहीं मिट्टी गाद को निकालने का प्रयास किया गया जिस हेतु सरपंच

कचरू लाल चौधरी ने बताया कि जन भागीदारी से टीम के साथ जन सेवा का कार्य किया गया हैं वहीं प्रशासन के सहयोग से आगे जल संरक्षण हेतु कार्य किया जाएगा । वहीं टीम ने बताया कि जेसीबी की भी सहायता लगी तो प्रशासन स्तर पर परमिशन लेकर कार्य किया जाएगा। वहीं खाल किनारे पौधरोपण कार्य भी किया जाएगा।

सेवावीर सामाजिक कल्याण समिति द्वारा हनुमान चालीसा पाठ

रतलाम । सेवावीर सामाजिक कल्याण समिति द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के दिन एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। जिसमे नगर के हजारों धर्म प्रेमी जनता ने सम्मिलित होकर इस लक्ष्य को पूर्ण किया। संतो के सानिध्य में किया गया यह आयोजन भक्तों की आस्था का केंद्र बना। इस आयोजन में समस्त सामाजिक संगठन,सामाजिक सेवा संगठन,राजनैतिक तथा गैर राजनीतिक संगठन, स्कूल, कॉलेज, कोचिंग विद्यार्थी एवं शिक्षक गण, व्यायामशाला, हेल्थक्लब, जिला के ग्रामीण जन,समस्त एसोसिएशन, समाज प्रमुख तथा समस्त मातृ शक्ति की मुख्य भूमिका रही।हनुमान जी बन कर आए छोटे बच्चो की भी इस आयोजन में भूमिका रही 7

इसी के चलते भक्तों ने दो वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज किए जिनमे एक लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड तथा दूसरा वज्र बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज किया। भक्ति, सेवा, समर्पण और संगठन की मिसाल बने इस आयोजन के अंत में सेवावीर परिवार ने सभी सहयोगियों, श्रद्धालुओं, कार्यकर्ताओं और सहयोगी संस्थाओं का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

पोषण पखवाड़ा अंतर्गत राजनगर के आंगनबाड़ी केंद्रों पर हुआ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में जिले में पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह की थीम एवं गतिविधियों को जिला, परियोजना, सेक्टर स्तर एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में आयोजित किया जा रहा है। 8 अप्रैल से शुरू होकर 22 अप्रैल 2025 तक चलने वाले इस पखवाड़े में जीवन के प्रथम 1 हजार दिवस पर केंद्रित गतिविधियां, पोषण ट्रेकर में लाभार्थी मॉड्यूल को लोकप्रिय बनाना, समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन मॉड्यूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन एवं बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने पर बल देने के संबंध में पोषण आधारित विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां की जा रही है।

इसी क्रम में पोषण अभियान अंतर्गत राजनगर परियोजना के आंगनबाड़ी केन्द्रों में 8 अप्रैल को प्रथम हजार दिवस में पोषण का महत्व के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को पोषण थाली, आयरन एवं कैल्शियम की दवाओं के सेवन, साप्ताहिक टेकहोम राशन का वितरण, वजन एवं ऊंचाई मापन और 9 अप्रैल को पोषण ट्रेकर में लाभार्थी मॉड्यूल का लोकप्रिय बनाना के अंतर्गत

आंगनवाड़ी केन्द्रों पर सायकल रैली, पोषण ट्रेकर में हितग्राही मॉडल पर समूह चर्चा, हितग्राही मॉड्यूल के उपयोग से एवं करने में हितग्राही को सहयोग, लाभार्थी का पंजीयन एवं आधार सत्यापन कार्य और 11 अप्रैल को सी-मेम मॉडयूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन एवं पोषण ट्रेकर में लाभार्थी मॉड्यूल का लोकप्रिय बनाने के अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बच्चों के पोषण स्तर की नियमित निगरानी, परिवार को जागरूक करना, चिंहित कुपोषित बच्चों की सी-मेम कार्यक्रम में पंजीयन एवं पोषण प्रबंधन आदि कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया गया। पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत परियोजना अधिकारी रजनी शुक्ला, पर्यवेक्षक सुल्ताना खातून, नम्रता तिवारी, शकुन्तला जैन, संगीता पटेल, चंद्रभान सेन (ब्लाक समन्वयक) के द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यक्रमों का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जा रहा है।

सारणी पुलिस ने 2 पीड़िता की रिपोर्ट पर एक को डरा कर जबरन और दूसरे को बलात्कार के आरोप पर कोर्ट से जेल भेजा

सांध्य प्रकाशयोगेश गुप्ता सारनी। महिला उत्पीड़न और शारिरिक शौषण के मामलो पुलिस पीड़ित के ब्यान और रिपोर्ट के आधार पर तत्काल एक्शन में आकर कार्यवाही करती है। वहिं पाथाखेड़ा और सारनी थाना क्षेत्र मे पीड़िता द्वारा बलात्कार किये जाने की रिपोर्ट करने मामले कुछ ज्यादा ही सामने आ रहे है। पिछले दिनों 2 अप्रेल को पीड़िता की रिपार्ट पर सारनी पुलिस ने डरा धमकाकर गलत काम याने बलात्कार करने और बताने पर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी ऋतिक विश्वकर्मा को वार्ड नंबर 29 पाथाखेड़ा से गिरफ्तार करके बैतुल कोर्ट पेश किया था। और अब पीड़िता की रिपोर्ट पर शादी का झांसा देकर बलात्कार करने वाले अपराध क्रमांक 223/25 धारा 69 बी एन एस के तहत आरोपी पवन धुर्वे को एस डी ओ पी रोशन कुमार जैन के मार्ग दर्शन में आरोपी को संत रविदास कालोनी से गिरफ्तार कर किया और कोर्ट पेश कियाऔर आरोपियों को कोर्ट से सीधा जेल भेज दिया जाता है। ऐसा ही कुछ मामला आमला थाना

क्षेत्र का मामला सामने आया था कि एक युवती ने गाँव के एक युवक पर शादी करने की बात कहकर जबरदस्ती करने का आरोप लगाया था। बाद में युवती आरोपी युवक को मुलताई जेल से छुड़ाने के आमला कोर्ट के चक्कर काट रही थी। युवती ने सांध्य प्रकाश को बताया था। की युवक को सिर्फ सबक सिखाने के लिए उसने रिपोर्ट की थी। जिले में इस प्रकार से बलात्कार की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने पुलिस की कार्यवाही सराहनीय है। लेकिन समाज मे महिला वर्ग को भी अंजान और संदेह प्रद व्यक्ति से सचेत रहने की आवश्यकता है। ताकि आरोपी पक्ष धोखा देकर इस प्रकार के संगीन अपराध की मानसिकता रखकर किसी पीड़िता को अपना शिकार ना बना पाए। और महिलाओ का शोषण और अपराध पर पुलिस अंकुश लगा पाए।

पार्षद प्रतिनिधि ने ज्ञापन देकर जनहित में हितग्राहियों से घरेलू तौर पर वसूली राशि कम कर राहत देने की मांग की

सिरोंज। भाजपा पार्षद रीना सचिन शर्मा ने जनहित में नपा द्वारा विगत दिनों बढ़ाए गए जलकर की राशि में ऐसे जलकर उपभोक्ता जो नपा द्वारा प्रदाय किए जानने वाले पानी का उपयोग तो घरेलू रूप से करते हैं लेकिन वह नपा को व्यावसायिक नल कनेक्शन के तौर पर प्रतिमाह वसूल किए जाने वाला भुगतान कर रहे हैं के हित में नपा के रिकॉर्ड को दुरुस्त कर ऐसे उपभोक्ताओं से भी घरेलू जलकर वसूली किए जाने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने व्यावसायिक तौर पर जल उपभोग करने वालों से वसूल की जाने वाली बढ़ी हुई राशि को उचित बताया है।

शुक्रवार को नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू को सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने नगर के नागरिकों से प्राप्त शिकायत के आधार पर हवाला देते हुए कहा है कि नगर पालिका परिषद द्वारा विगत दिनों हुई बजट बैठक में घरेलू एवं व्यावसायिक जलकर की वृद्धि करते हुए जलकर के रूप में वसूले जाने वाली राशि में बढ़ोतरी की है। नपा ने घरेलू

नल कनेक्शनों पर अभी तक लिया जाने वाला शुल्क पचहत्तर रु के स्थान पर सौ रुपए कर दिया है तथा व्यावसायिक रूप से उपयोग होने वाले जलकर का शुल्क सौ रुपए के स्थान पर दौ सौ रुपए कर दिया है। ऐसे में अभी तक जलकर की राशि में ज्यादा अंतर नहीं होने से नागरिकों को राशि का अंतर समझ ही नहीं आता था। लेकिन जब कुछ घरेलू उपभोक्ता अपनी जलाकर की राशि जमा करने नपा परिसर पहुंचे तो उन्हें सौ रुपए के स्थान पर दौ सौ रुपए प्रतिमाह के मान से राशि जमा करने का कहा गया है। सचिन शर्मा का कहना हे कि पूर्व में जिस किसी कारण से भी त्रुटि वश ऐसे नल कनेक्शन जिनका उपयोग तो घरेलू तौर पर होता है लेकिन रिकॉर्ड में व्यावसायिक तौर पर दर्ज है ऐसे हितग्राहियों के प्राप्त आवेदन के आधार पर मौके पर स्थल निरीक्षण करवा कर एवं आवश्यक दस्तावेज जमा करवा कर राहत दिया जाना मानवीय दृष्टिकोण से जनहित में उचित होगा। उन्होंने नागरिकों की इस पीड़ा से विधायक उमाकांत शर्मा को भी अवगत कराया है। विधायक शर्मा ने भी सीएमओ सुधार के निर्देश प्रदान किए हैं।

इनका कहना है

जिन व्यक्तियों के कमर्शियल कनेक्शन थे लेकिन अब उनका उपयोग कमर्शियल नहीं है अब वह आवेदन देकर अपने कनेक्शनों को घरेलू करा सकते हैं।

रामप्रकाश साहू, मुख्य नपाधिकारी

महामाई परिसर में आयोजित मेले के यहां वहां फैले कचरे को स्वच्छता मित्रों ने तीन दिन में किया चकाचक

सिरोंज। विगत पंद्रह दिनों से ग्राम वीरपुर में आयोजित हो रहे पंद्रह दिवसीय चैत्र नवरात्रि मेले के विगत तीन दिन पूर्व समापन होने के बाद अगले तीन दिनों में नगर पालिका परिषद के स्वच्छता मित्रो ने संपूर्ण परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर मात्र तीन दिनों में संपूर्ण परिसर को चकाचक कर दिया है।

जानकारी देते हुए नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि महामाई का मेला क्षेत्र में ही नहीं अपितु जिले के बड़े प्रशासनिक व्यवस्था के मेले के रूप में भी स्थापित है। पंद्रह दिनों तक इस मेले में धार्मिक पूजन पाठ हवन के साथ प्रतिदिन के सांस्कृतिक आयोजन भी सम्पन्न होते हैं तथा दूर दर्ज से पहुंचे श्रद्धालु नागरिकों के मनोरंजन के लिए मेले का भी आयोजन होता है। ऐसे में यहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में महिला पुरुषों की भीड़ प्रतिदिन पहुंचती है। जिला प्रशासन के निर्देश पर हमने इस बार मेले को गंदगी से मुक्त रखने के लिए यहां बने पक्के शौचालयों के साथ एक दर्जन चलित शौचालय भी संपूर्ण मेला परियार में रखवाए थे इसके अलावा महाकुंभ की तर्ज पर अनेक स्थानों पर अस्थाई शौचालयों का भी निर्माण करवाया था। तथा नागरिकों को उचित दिशा निर्देश देने एवं परिसर की स्वच्छता के लिए प्रहरियों की तैनाती की थी।

जिससे इस बार परिसर में गंदगी का अभाव दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि इस बार मेले को पॉलीथिन मुक्त रखने की अपील मेला समिति के माध्यम से दुकानदारों तथा आम नागरिकों से की गई थी किंतु फिर भी पॉलीथिन का उपयोग होने से परिसर में यहां वहां बिखरी तथा केथन डेम के किनारे पेड़ पौधों में उलझी पन्नियों को एकत्रित करने के लिए मेला समाप्ति के पश्चात विधायक जी के निर्देश पर हमने एसआई धीरज मैना के नेतृत्व में अभियान चलाकर पन्नी तथा फैले कचरे की सफाई अभियान चलाया ओर बीस कर्मचारियों के सहयोग मात्र तीन दिन में संपूर्ण परिसर को स्वच्छ बनाया है। सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि मेले के दौरान भी प्रतिदिन लगभग दस स्वच्छता मित्रो का एक दल परिसर की सफाई एवं स्वच्छता बनाने के लिए यहां तैनात रहता था। ताकि आने वाले श्रद्धालुओं नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

नेहरू व गांधी जी की आँखों की किरकिरी रहे संविधान निर्माता डॉ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर

विदेश मंत्रालय भारत सरकार सलाहकार राजभाषा

प्रवीण गुगनानी

सांध्य प्रकाश बैतुल । बाबा साहेब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाद यदि स्वतंत्र भारत की राजनीति व समाज को सर्वाधिक प्रभावित किया है। वे पहले गांधी जी व दूजे अंबेडकर जी। कांग्रेस द्वारा बाबा साहेब की सतत घोर उपेक्षा के बाद भी भारतीय राजनीति में उनकी लगातार बढ़ती स्वीकार्यता का इतिहास पढ़ना हो तो एक और व्यक्ति का उल्लेख आवश्यक हो जाता है। वह व्यक्ति है । दलित नेता जोगेंद्रनाथ मंडल कांग्रेस की घनघोर और अटाटूट उपेक्षा के शिकार जोगेंद्रनाथ मंडल ने यदि स्वतंत्रता पूर्व की भारतीय राजनीति में बाबा साहेब को सफलता पूर्वक स्थापित न किया होता तो आज भारत में दलित चिंतन का स्वरूप आमूलचूल भिन्न होता। प्रारंभ से ही दलित चिंतन को उपेक्षा की दृष्टि से देखने वाली कांग्रेस ने जब बाबा साहेब के प्रति बेहद अपमानजनक रवैया अपनाते हुये संविधान सभा में भेजे गए। प्रारंभिक 296 सदस्यों में अंबेडकर को जगह नहीं दी थी तब जोगेंद्रनाथ मंडल ने अंबेडकर जी को संविधान सभा में सम्मिलित करने की भूमिका बनाई थी। जब कांग्रेस ने संविधान सभा में अंबेडकर जी के प्रवेश को रोकने हेतु प्रपंच प्रारंभ किये तब मंडल ने बंगाल के खुलना-जैसोर से अपनी सीट खाली करके बाबासाहेब को संविधान सभा के लिए निर्वाचित कराया था। विभाजन के विषय में यह तय हुआ था। कि जिन क्षेत्रों में हिंदू जनसंख्या 51त्न से अधिक है वे क्षेत्र भारत में सम्मिलित किये जायेंगे। इसके बाद भी कांग्रेस ने तब हद दर्जे की गलती करते हुये बाबा साहेब को संविधान सभा में षड़यंत्रपूर्वक अप्रासंगिक करने हेतु बंगाल के खुलना-जैसोर को 71त्न हिंदू बहुल वाला क्षेत्र होने के बाद भी पाकिस्तान को सौंप दिया और तब बाबा साहेब तकनीकी तौर पर पाकिस्तानी संविधान सभा के सदस्य माने गये थे। बाबासाहेब ने इसका विरोध किया, जिसके बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप से बाबासाहेब बंबई राज्य से एमएस जयकर द्वारा खाली की गई। सीट से चुनकर भारतीय संविधान सभा में पहुंच पाये थे। बाबासाहेब प्रारंभ से ही अखंड भारत के पक्ष में थे। उन्होंने बंटवारे के लिए तैयार महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के साथ जिन्ना का भी पुरजोर विरोध किया। उनकी पुस्तक ÷थॉट्स ऑन पाकिस्तान÷ में इसका पूरा विवरण है। जिसमें उन्होंने लिखा है। कि मुस्लिम तुष्टि करण की नीति के चलते कांग्रेस ने देश का बंटवारा कर डाला। बाबासाहेब का यह स्पष्ट मानना था। कि जब धार्मिक आधार पर बंटवारा हो चुका है। तब पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं को भारत आ जाना चाहिए। उन्होंने यह यह भी आशंका जताई थी कि धर्म के आधार पर देश के बंटवारे से हिंदुओं को गंभीर क्षति पहुंचेगी और ऐसा हुआ भी। बंटवारे के बाद पाकिस्तान में बचे ज्यादातर दलित या तो मार डाले गए या फिर उनसे बलात् धर्म परिवर्तन कराया गया। तब जोगेन्द्रनाथ मंडल अपनी ही हुकूमत में चीखते-चिल्लाते रह गए थे। तब पाकिस्तान सरकार न भारत की नेहरू सरकार दलित हिंदुओं की मदद के लिए आई, न ही अन्य अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा हेतु उसने कोई कदम उठाया। इस प्रकार देश में प्रथम मुस्लिम-दलित राजनीति का प्रयोग हुआ जो कि बेहद असफल व निराशा जनक रहा किंतु यह प्रयोग अब भी यदा कदा यहां-वहां 'भीम मीम' नाम से प्रयुक्त होता रहता है। बाबा साहेब और सुभाषचंद्र बोस के प्रति गांधी जी का व्यवहार उनके उपनाम 'महात्मा' शब्द के अनुरूप कतई नहीं था। वर्ष 2013 में डॉ. मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार ने ÷डॉ. बाबा साहब आंबेडकर राइटिंग्स एंड स्पीचेस÷ नाम से उनके सभी भाषणों एवं लेखन को प्रकाशित किया था। इस पुस्तक के 17वें खंड के पृष्ठ संख्या 366 से 369 बड़े ही उल्लेखनीय हैं। 27 नवंबर, 1947 को बाबासाहेब ने लिखा कि 'मुझे पाकिस्तान और हैदराबाद की अनुसूचित जातियों के लोगों की ओर से असंख्य शिकायतें मिल रही है। और अनुरोध किया जा रहा है। कि उनको दुख और परेशानी से निकालने के लिए मैं कुछ करूं। पाकिस्तान से उन्हें आने नहीं दिया जा रहा है । और जबरन उन्हें इस्लाम में परिवर्तित किया जा रहा है। हैदराबाद में भी उन्हें जबरन मुसलमान बनाया जा रहा है। ताकि मुस्लिम आबादी की ताकत बढ़ाई जाए।' आंबेडकर ने लिखा, अनुसूचित जातियों के लिए जैसी स्थिति भारत में है। वैसी ही पाकिस्तान में है। वह आगे लिखते हैं, 'मैं यही कर सकता हूं । कि उन सभी को भारत आने के लिए आमंत्रित करूँ। पृष्ठ 368 पर बाबासाहेब लिखते है। कि 'जिन्हें हिंसा के द्वारा इस्लाम धर्म में परिवर्तित कर दिया गया है। मैं उनसे कहता हूं कि आप अपने बारे में यह मत सोचिए कि आप हमारे समुदाय से बाहर हो गए हैं। मैं वादा करता हूं कि यदि वे वापस आते है। तो उनको अपने समुदाय में सम्मिलित करेंगे। और वे उसी तरह हमारे भाई माने जाएंगे जैसे धर्म परिवर्तन के पहले माने जाते थे। बाबासाहेब ने 18 दिसंबर, 1947 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को एक पत्र में लिखा था। कि ÷पाकिस्तान सरकार अनुसूचित जाति के लोगों को भारत आ आने से रोकने के लिए हर हथकंडे अपना रही है। मेरी नजर में इसका कारण यह है। कि वह उनसे निम्न स्तर का काम कराने के साथ यह भी चाहती है। कि वे भूमिहीन श्रमिकों के रूप में उनकी जमीनों पर काम करें। नेहरू से उन्होंने अनुरोध किया कि वह पाकिस्तान सरकार से कहें कि भारत आने के इच्छुक लोगों को भारत आने में कोई रुकावट पैदा न करे।÷ नेहरू ने 25 दिसंबर, 1947 को इसके जवाब में लिखा कि 'हम अपनी ओर से जितना हो सकता है। पाकिस्तान से अनुसूचित जातियों को निकालने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। किंतु सत्य यही है। कि जवाहरलाल नेहरू अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के चलते पाकिस्तान में छूट गये हिंदुओं के संदर्भ में कभी भी गंभीर नहीं रहे। बाबा साहेब ने अपनी पुस्तक ÷थॉट्स ऑन पाकिस्तान÷ में भारत के धार्मिक आधार पर पूर्ण विभाजन के आशय से पृष्ठ 103 पर लिखा ÷यह बात स्वीकार कर लेनी चाहिए कि पाकिस्तान बनने से हिंदुस्तान सांप्रदायिक समस्या से मुक्त नहीं हो जाएगा÷। सीमाओं का पुनर्निर्धारण करके पाकिस्तान को तो एक सजातीय देश बनाया जा सकता है। परंतु हिंदुस्तान तो एक मिश्रित देश बना ही रहेगा। वे स्वतंत्र विभाजित भारत में मुस्लिम समाज के रहने के खतरों का स्पष्ट आभास कर रहे थे व इसके प्रति देश को चेता भी रहे थे। उनकी अटल मान्यता थी। कि जनसंख्या की धार्मिक आधार पर पूर्ण अदला-बदली के बिना भारत एक पूर्ण सजातीय देश नहीं बन सकता। बाबा साहेब राइटिंग्स एंड स्पीचेस के पृष्ठ 367 पर लिखा है- ÷अनुसूचित जातियों के लिए चाहे वे पाकिस्तान में हों या हैदराबाद में उनका मुसलमानों तथा मुस्लिम लीग पर विश्वास करना घातक होगा। अनुसूचित जातियों का यह सामान्य व्यवहार हो गया है कि वे चूंकि हिंदुओं को नापसंद करते हैं, इसलिए मुस्लिमों को मित्र के रूप में देखने लगते हैं। यह गलत सोच है। मुसलमान एवं मुस्लिम लीग जितनी तेजी से हो सके अपने को शासक वर्ग बनाने के लिए तत्पर हैं, इसलिए वे कभी अनुसूचित जाति के दावों पर विचार नहीं करेंगे। यह मैं अपने अनुभव के आधार पर कह सकता हूं÷। दलित मुस्लिम एकता की राजनीति के पीछे छिपे हुये भारत पर शासन करने व कब्जा करने व यूज एंड थ्रो की नीति को जितना बाबासाहेब ने समझा व इस बात को अपने समुदाय को समझाने का प्रयास किया उतना स्वातंत्र्योत्तर भारत में कोई अन्य नहीं कर पाया। किंतु नेहरू व गांधी जी के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने कभी भी अंबेडकर जी के इन सरोकारों व संवेदनाओं को नहीं समझा व सतत उनकी उपेक्षा करती रही थी।

जावर बाला धाम खेड़ापति सरकार के दरबार में हनुमान जन्मोत्सव पर हुआ विशाल भंडारा

अभिषेक शर्मा जावर ।सब सुख लहे तुम्हारी सरना तुम रक्षक काहू को डरना के जयकारे से गूंजा बालाजी धाम जावर शहर समेत ग्रामीण अंचल में हनुमानजी का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाई गया इस अवसर पर मंदिरों में पूजा-अर्चना करने को भक्त उमड़ पड़े। शहर स्थित श्री खेडापति हनुमान मंदिर मंगलवार को हनुमान जन्म उत्सव की धूम रही। । वहीं नगर के हनुमान मंदिरों में विशेष पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। शनिवार को सूर्योदय के साथ ही जिले के हनुमान मंदिरों में भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था, जो दिन भर चलता रहा। नगर के मंदिरों में सुंदरकांड, हनुमान चालीसा, रामचरित मानस का पाठ करते हुए केशरीनंदन का भव्य श्रृंगार किया गया।

खेड़ापति सरकार के दरबार में आयोजन समिति की ओर से विशेष भंडारा सहित सोनकच्छ के सुप्रसिद्ध गायक वर्षा गुप्ता और उनकी टीम द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हनुमान जन्म उत्सव पर श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर, राम मंदिर हनुमान मंदिर, नया मंडी प्रांगण स्थित हनुमान मंदिर सहित अन्य मंदिरों में धूमधाम से हनुमान जन्म उत्सव मनाई गई। नगर के श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में आकर्षक सजावट करते हुए हनुमान का मनोहारी श्रृंगार किया गया था।

सुबह ब्रह्म मुहूर्त में समिति के अध्यक्ष तेजसिंह ठाकुर और अन्य सदस्य द्वारा पंडित आनंद शर्मा ने हवन पूजा पाठ करवाया कन्या भोजन के बाद विशाल भंडारा प्रारंभ किया गया।

वह हिंदू उत्सव समिति के तत्वधान में स्थान श्री राम मंदिर से एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई जिसका खेड़ापति बाला जी धाम के सदस्यों ने पुष्प हार और फूलों से स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ राइजिंगः आईईएसए ने अपने सदस्य पॉलीमटेक की भारत की पहली जीएएन सुविधा का समर्थन किया

मुंबई, एजेंसी। आईईएसए गर्व से अपनी सदस्य कंपनी, पॉलीमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स की साहसिक और रणनीतिक प्रतिबद्धता की सराहना करता है, जिसने नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ में भारत की पहली गैलियम नाइट्राइड (जीएएन) सेमीकंडक्टर चिप्स और उन्नत पैकेजिंग सुविधा शुरू की। 1143 करोड़ के निवेश के साथ, यह परियोजना भारत के उच्च तकनीक विनिर्माण परिदृश्य में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है और अगली पीढ़ी के सेमीकंडक्टर नवाचार के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में छत्तीसगढ़केउद्भवकोमजबूतकरतीहै। यह पहल भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम की बढ़ती गति को दर्शाती है - जो दूरदर्शी नीति और गहरी उद्योग प्रतिबद्धता से प्रेरित है। आज तक, ढ्ढश्वस्न की सदस्य कंपनियों ने कई भारतीय राज्यों में 20 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक की प्रतिबद्धता जताई है , जो आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया मिशनों के तहत नवाचार-आधारित विकास, उन्नत विनिर्माण और आत्मनिर्भरता के एकनएयुगकोउत्प्रेरितकरतीहै।एक उच्च तकनीक केंद्र के रूप में छत्तीसगढ़ के सक्रिय दृष्टिकोण और क्षमता की मान्यता में, आईईएसए ने हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार के साथ राज्य के सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र के विकास का समर्थन करने के लिए एक ज्ञान भागीदार के रूप में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी को माननीय मु यमंत्री श्री विष्णु देव साई की स मानित उपस्थिति में औपचारिक रूप दिया गया।

विश्व का नंबर 1 सहकारी समिति इफको ने किया त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक 2025 की घोषणा का स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। इफको ने लोकसभा में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक, 2025 की घोषणा और 26 मार्च 2025 को निचले सदन द्वारा इसके अनुमोदन का स्वागत किया है। विधेयक की घोषणा करते हुए माननीय सहकारिता और गृह मामलों के मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद, आज देश को अपना पहला सहकारी विश्वविद्यालय मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, स्वरोजगार और छोटे उद्यमिता के पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करेगा, सामाजिक समावेशन को बढ़ाएगा और नवाचार व अनुसंधान में नए मानक स्थापित करने के अवसरों को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि यह देश को सहकारिता की भावना से प्रेरित और आधुनिक शिक्षा से सुसज्जित एक नया सहकारी नेतृत्व प्रदान करेगा। डॉ. उदय शंकर अवस्थी, प्रबंध निदेशक, इफको ने कहा, मैं त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक 2025 की सराहना करता हूं, जो सहकारी संस्थानों के अग्रणी विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना सहकारी क्षेत्र में एक नई क्रांति लाएगी। मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के इस सराहनीय कदम का स्वागत करता हूं। यह भारतीय कृषि, किसानों और ग्रामीण विकास के लिए बहुत बड़ा कदम है। इससे हमारे गांव और मजबूत होंगे।उन्होंने कहा, देश भर में क्षेत्र-विशिष्ट स्कूलों की स्थापना से उर्वरक सहकारी संस्थानों, विशेष रूप से इफको को मदद मिलेगी। इससे उर्वरक सहकारी प्रबंधन और विपणन के क्षेत्र में पेशेवरों की नई पीढ़ी सशक्त होगी। मौजूदा सहकारी कर्मचारियों के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रम एक गेम-चेंजर हैं और यह ऐसा कदम है जो इस पैमाने पर पहले कभी नहीं उठाया गया। यह विश्वविद्यालय मौजूदा कर्मचारियों और सहकारियों को प्रशिक्षित करेगा, जिससे वे अधिक कुशल बनेंगे और सहकारी बिरादरी के लिए एक बड़ी संपत्ति साबित होंगे।

रिमेडियम लाइफकेर ने 49.19 करोड़ के राइट्स इश्यू की घोषणा की

मुंबई , एजेंसी। फार्मास्युटिकल इंटरमीडिएट्स और स्पेशियलिटी केमिकल्स बनाने वाली रिमेडियम लाइफकेर लिमिटेड (बीएसई: 539561 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज से अपने प्रस्तावित राइट्स इश्यू के लिए मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के बाद तेजी से बढ़ रही ये कंपनी अब अपने मौजूदा शेयरधारकों से पूंजी जुटा सकेगी, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और वह अपने मैन्युफैक्चरिंग, नए प्रोडक्ट्स का विकास और वैश्विक बाज़ार में विस्तार—को आगे बढ़ा सकेगी। राइट्स इश्यू की रिकॉर्ड डेट- मंगलवार, 15 अप्रैल 2025, इश्यू साइज 4,919.04 लाख (यदि पूरी तरह सब्सक्राइब किया जाए), प्रति शेयर मूल्य 1.00 प्रति शेयर, कुल शेयर 49,19,04,000 पूरी तरह से चुकता किए गए इक्विटी शेयर (1 मूल्य के), राइट्स रेशियो- रिकॉर्ड डेट तक आपके पास जितने भी पूरी तरह चुकता किए गए 50 शेयर हैं, उनके बदले में आपको 61 राइट्स शेयर मिलेंगे। उद्देश्य- वर्किंग केपिटल की ज़रूरतें, आरएंडडी (अनुसंधान एवं विकास) के लिए उपकरण, और विस्तार । कंपनी के होलटाइम डिरेक्टर आदर्श मुन्जाल ने कहा, बीएसई की यह मंजूरी हमारे सफर में एक महत्व का कदम है। हम अपने ऑपरेशंस को ज़िम्मेदारी और सस्टेनेबल तरीके से बढ़ाते हुए शेयरधारकों के लिए मूल्य बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह राइट्स इश्यू ऐसे समय में आ रहा है जब रिमेडियम लाइफकेर को अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों से अच्छा रिस्पोन्स मिल रहा है। फरवरी 2025 में, कंपनी ने यूके की एक प्रमुख फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर के साथ 182.7 करोड़ का एक मल्टी-ईयर एक्सपोर्ट कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। कंपनी अब ऐसे ग्लोबल सेगमेंट्स में मज़बूत स्थिति में है, जहां एंटी-इंफेक्टिव्स, हृदय रोग, मस्तिष्क संबंधी रोग और कैंसर-सहायक दवाओं की मांग बड़ी तेजी से बढ़ रही है।

वित्त वर्ष 2024 में लैंक्सेस की कमाई में वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। दुनिया भर में चुनौतीपूर्ण आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद लैंक्सेस ने वित्त वर्ष 2024 में अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। इस अवधि में कंपनी का एबिटा (प्रि-एक्सेप्शनल्स) 19.9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 614 मिलियन यूरो पर पहुँच गया, जो पिछले वर्ष 512 मिलियन यूरो था। कंपनी ने 20 जनवरी, 2025 को जारी अपने प्रारंभिक आँकड़ों की पुष्टि की है। कमाई में इस बढ़त का प्रमुख कारण उत्पादन क्षमता का बेहतर उपयोग और फॉरवर्ड!कार्य योजना के चलते लागत में आई उल्लेखनीय कमी रही। हालाँकि लगभग सभी व्यावसायिक इकाइयों ने बिक्री मात्रा में बढ़त दर्ज की, लेकिन समूह की कुल बिक्री 5.2प्रतिशत घटकर 6.366 बिलियन यूरो रही, जो पिछले वर्ष 6.714 बिलियन यूरो थी। यह गिरावट मुख्यतः कच्चे माल और ऊर्जा की लागत में कमी के कारण बिक्री कीमतों में आई गिरावट की वजह से हुई। एबिटा मार्जिन भी सुधरकर पिछले वर्ष के 7.6प्रतिशत से बढ़कर 9.6 प्रतिशत हो गया।लैंक्सेस एजी के चेयरमैन, मैथियास जैशर्ट ने कहा, हमने आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद अपने संसाधनों के बल पर मुनाफे में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। यह दर्शाता है कि हमारे संरचनात्मक सुधार प्रभावी हैं, और इनका लाभ हमें इस साल भी मिलेगा। इसलिए, भले ही वैश्विक माँग में व्यापक सुधार नजर न आ रहा हो, हमें 2025 में और अधिक वृद्धि हासिल करने का पूरा विश्वास है। लैंक्सेस को उम्मीद है कि 2025 में आर्थिक और भू-राजनीतिक परिदृश्य चुनौतीपूर्ण बना रहेगा, लेकिन इसके बावजूद कंपनी पोर्टफोलियो-समायोजित आधार पर लगभग 10प्रतिशत परिचालन वृद्धि के साथ 600 से 650 मिलियन यूरो के बीच एबिटा (प्रि-एक्सेप्शनल्स) दर्ज करने की उम्मीद कर रही है।

टैरिफ पर 90 दिनों की रोक एक अवसर, विशेषज्ञ बोले- यूएस के साथ एफटीए पर विचार करे भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्नेगी ग्लोबल टेक समिट में विशेषज्ञों ने भारत को अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर विचार करने की सलाह दी। उनका कहना है कि इससे दोनों देशों को समस्या का स्थायी समाधान मिल सकता है। वरिष्ठ शोधकर्ता एलिश टेलिस ने कहा कि भारत को औद्योगिक वस्तुओं पर 90 फीसदी शून्य-से-शून्य टैरिफ समझौते पर विचार करना चाहिए। टैरिफ विवाद के बीच नफा और नुकसान का आकलन लगातार किया जा रहा है। सभी देश अपने-अपने हित को लेकर सजग हैं।

इसी बीच 9वें कार्नेगी ग्लोबल टेक समिट में भी यह मुद्दा छाया रहा। कार्नेगी इंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के वरिष्ठ शोधकर्ता एशले जे टेलिस का कहना है कि हाल के वर्षों में भारत की व्यापार नीति में बड़ा बदलाव आया है। इसे देखते हुए भारत को अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करने की बड़ी सोच अपनानी चाहिए। टेलिस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 90 दिनों के लिए टैरिफ (शुल्क) रोकने और भारत जैसे देशों पर पारस्परिक टैरिफ को 10 फीसदी तक कम करने के फैसले पर कहा कि 90 दिनों की यह रोक भारत के लिए अवसरों की अवधि है। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों को स्थायी समाधान खोजने का मौका मिलेगा और वे व्यापारिक विवादों से आगे बढ़कर आपसी सहयोग के अन्य क्षेत्रों पर ध्यान दे पाएंगे। इसके साथ ही यह कदम बाजारों और व्यापारिक साझेदारों को आगे की रणनीति बनाने का वक्त भी देगा। टेलिस ने यह बात भारत को अमेरिका के साथ पूर्ण एफटीए से बचने की ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की सलाह की प्रतिक्रिया में कही। टेलिस ने कहा कि भारत को दीर्घकालिक तौर से इस दिशा में आगे कदम बढ़ाना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी शुरुआत में एफटीए को लेकर संदेह में थे, लेकिन अब भारत समझ गया है कि आर्थिक विकास के लिए वैश्विक व्यापार संबंध मजबूत करना जरूरी है। अमेरिका भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है, इसलिए एफटीए को एक लक्ष्य के तौर पर देखना चाहिए, भले ही इसमें वक्त लगे।

उन्होंने कहा भारत को औद्योगिक वस्तुओं पर 90 फीसदी शून्य-से-शून्य टैरिफ समझौते पर विचार करना चाहिए। टेलिस ने कहा कि भारत, अमेरिका और यूरोप जैसे दोस्त देशों को ऐसे कर-मुक्त समझौते करने चाहिए, खासकर जब आज वैश्विक सप्लाई चेन इतनी जुड़ी हुई है।

वन विहार के वन्यप्राणियों हेतु गर्मी के मौसम में की गई व्यवस्थाएं

भोपाल। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में हाउसिंग में रखे गये मांसाहारी वन्यप्राणियों के लिये गर्मी से बचाव हेतु कूलर लगाये गये हैं, हाउसिंग की खिड़कियों पर पर्दे लगाये गये, क्राल के ऊपर लू से बचाव हेतु ग्रीन नेट डाली गई है। क्राल को ठंडा रखने के लिये पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इंक्लोजर में निर्मित सॉसर के ऊपर प्रकृति से मेल खाते हुये घास के शेड बनाये गये हैं, ताकि सॉसर का पानी ठंठा रहे एवं उसमें बैठने पर वन्यप्राणी का धूप से बचाव हो सके। जल स्त्रोतों में ऐसी व्यवस्था की गई है कि उसमें हमेशा पानी भरा रहे। वन्यप्राणी चिकित्सक की सलाह अनुसार उनको भोजन दिया जा रहा है। साथ ही शाकाहारी वन्यप्राणियों को गर्मी से बचाव हेतु खुले क्षेत्र में प्रकृति से मेल खाते हुये घास के शेड बनाये गये हैं। विभिन्न स्थलों पर निर्मित जल श्रोतों में पानी की निरंतरता बनी रहें ऐसी व्यवस्था की गई है तथा उन्हें हरा चारा एवं पशु आहार सुदाना भी दिया जा रहा है एवं आवश्यकतानुसार उन्हें साल्ट लिक्स तथा मिनरल मिक्चर भी दिया जा रहा है।

बदल गया है ट्रेन टिकट की तत्काल बुकिंग और प्रीमियम बुकिंग का समय, आईआरसीटीसी ने दी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। इन दिनों ट्रेन के तत्काल टिकट बुकिंग में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तत्काल बुकिंग के समय कई साइट्स बंद हो जा रही है। सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें चल रही है की ट्रेन में टिकट की तत्काल बुकिंग का समय बदल गया है। इसके साथ ही प्रीमियम तत्काल टिकट की बुकिंग के समय में बदलाव किया गया है। सोशल मीडिया पर चल रही इस खबर के बाद भारतीय रेलवे की सहायक कंपनी इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सफाई दी है। आईआरसीटीसी ने ङ्ग पर एक पोस्ट के जरिए कहा है कि सोशल मीडिया में चल रही ऐसी खबरें निराधार और गलत है। आईआरसीटीसी ने कहा है कि सोशल मीडिया चैनल पर कुछ ऐसी पोस्ट सर्कुलेट हो रही है।जिसमें तत्काल और प्रीमियम तत्काल के अलग-अलग समय की बात की जा रही है। यह खबर सही नहीं है। आईआरसीटीसी के मुताबिक,ष्ट और नॉन एसी क्लास में तत्काल और प्रीमियम तत्काल की बुकिंग के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है और न ही बदलाव का प्रस्ताव फिलहाल है। एजेंट के लिए समय में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

भारत में भी बनना चाहिए शेनझेन जैसा शहर

नई दिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। उन्होंने एक बार फिर देश में एक नई बहस शुरू कर दी है। इस बार उन्होंने एक बड़ा सुझाव दिया है। आनंद महिंद्रा हमेशा प्रेरणादायक बातें और नए विचारों को बढ़ावा देते हैं। इस बार उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने कहा है कि भारत को चीन के शेनझेन शेन्ज़ेन शहर जैसा एक शहर बनाना चाहिए।

अगले हफ्ते 100000 पर पहुंच जाएगा सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत समेत दुनियाभर में सोने की कीमतों में आग लगी हुई है। शुक्रवार को दिल्ली के सराफा बाजार में सोने की कीमत 6,250 रुपये प्रति 10 ग्राम उछल गई थी। इस तेजी के साथ सोना बढ़कर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। जानकारों के मुताबिक सोने में अभी और तेजी आने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि सोने की कीमत एक हफ्ते में प्रति 10 ग्राम एक लाख रुपये पर पहुंच सकती है। सोना इस साल यानी 2025 में सोने ने अब तक 20 बार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है। अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड वॉर की वजह से लोग सोने को सुरक्षित निवेश मान रहे हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमत बढ़ गई है। इसका असर घरेलू बाजार पर भी दिख रहा है। वहीं भू-राजनीतिक अनिश्चितता, अमेरिकी टैरिफ, केंद्रीय बैंकों द्वारा खरीदारी और ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें इस तेजी को बढ़ावा दे रही हैं।

बैसाखी के अवसर पर अंकुर मैदान पर आयोजित टूर्नामेंट का खेल मंत्री सारंग ने किया शुभारंभ

भोपाल। बैसाखी के पावन पर्व के अवसर पर चार साहिबजादों की स्मृति में भोपाल के अंकुर मैदान पर आयोजित सिख लीग टूर्नामेंट - 2025 का आज मध्यप्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग जी व मध्यप्रदेश भाजपा के प्रवक्ता नरेन्द्र सिंह सलूजा ने शुभारंभ किया। शुभारंभ के अवसर पर पंजाबी गतका व गिद्दा का विशेष कार्यक्रम भी हुआ। इस अवसर पर हमीदिया गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान स.परमवीर सिंह वजीर , डॉ.वीरेन्द्र चौधरी , डॉ. गुरिंदर गुलाटी , अमन अरोरा, नीटू धीर , रमन सिंह , मनप्रीत सिंह सहित बड़ी संख्या में सिख समाज के गणमान्य जन व आयोजन कमेटी के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

भोपाल में आईआईए नैटकॉन 2025 का भव्य शुभारंभ मिंटो हॉल में जुटे देश-विदेश के वास्तुविद

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल ने देश के पहले कार्बन-न्यूट्रल आर्किटेक्चर सम्मेलन आईआईए नैटकॉन 2025 की भव्य मेजबानी कर एक नई इबारत लिखी। मिंटो हॉल में आयोजित इस ऐतिहासिक सम्मेलन में भारत सहित 15 देशों के 1500 से अधिक वास्तुविद, डिज़ाइन विशेषज्ञ और शहरी योजनाकार शामिल हुए। यह आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (आईआईए) के मध्यप्रदेश चैप्टर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रेरणादायक संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने शहरी विकास में स्थायित्व, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय सांस्कृतिक विरासत के समन्वय की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इस अवसर पर सम्मेलन का विषय ट्रांसम भी लॉन्च किया गया, जिसका उद्देश्य परंपरा और प्रगति के बीच एक सेतु स्थापित करना है। सम्मेलन में प्रस्तुत मॉडल्स ने सभी को प्रभावित किया। श्रीलंका के आर्किटेक्ट पलिंदा कन्ननगारा ने जंगल के बीच बिना एक भी पेड़ काटे तैयार किया गया वेलनेस सेंटर पेश किया। यह संरचना पर्यावरण की रक्षा करते हुए आर्किटेक्चर का नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। दीवारों में छोटे-छोटे सुराख कर प्राकृतिक रोशनी और हवा को भीतर लाने की तकनीक भी साझा की गई, जिससे न केवल ऊर्जा की बचत होती है, बल्कि घर अंदर से ठंडा और स्वास्थ्यवर्धक रहता है। आर्किटेक्ट संगीता बैस, जिन्होंने ओरछा की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वे राजा महल, पालकी महल, बाज़ार बाग और फूल बाग के संरक्षण कार्य में लगी हैं। इन सभी बागों की पुनर्संरचना स्थानीय परंपराओं और ऐतिहासिक तकनीकों के अनुसार की जा रही है। रामराजा मंदिर के सामने ऐतिहासिक विरासत स्थल, राजमहल, स्थानीय आंगन शैली, और पारंपरिक जलनिकासी व्यवस्था को सहेजते हुए, उन्होंने हर स्थान की विशिष्ट शैली में डिज़ाइन प्रस्तुत किया है। उनके अनुसार, इन सभी विरासतों को शीतलता के हिसाब से डिज़ाइन किया गया है। एक बाग ऐसा भी है जहां कोई स्ट्रेट लाइन नहीं है, जिससे अलग-अलग अनुभव प्राप्त होते हैं।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने आईपीएल की जीवंत भावना का जश्न मनाते हुए रंगों का खेल 2.0 का अनावरण किया

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी पर्यावरण अनुकूल पेंट्स कंपनी और 24 अरब अमेरिकी डॉलर वाले जेएसडब्ल्यू समूह का हिस्सा जेएसडब्ल्यू पेंट्स, आईपीएल 2025 के लिए एक नया अभियान रंगों का खेल 2.0 शुरू करने के लिए तैयार है। पिछले अभियान की सफलता को आगे बढ़ाते हुए नए संस्करण में रंग, सामुदायिक भावना और प्रतिष्ठित चेहरों के मिश्रण के साथ सिनेमाई और उत्सव के अनुभव को और भी बेहतर बनाया गया है। टीबीडब्ल्यूए झ इंडिया द्वारा संकल्पित यह एंथम क्रिकेट की जीवंत भावना को दर्शाता है।

फिल्म की शुरुआत एक जाने-पहचाने अंदाज में होती है, जिसमें बच्चों के एक समूह के बीच गली क्रिकेट मैच होता है। क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर और मिताली राज के अप्रत्याशित आगमन से मैच रोमांचक मोड़ ले लेता है। इसके बाद जो कुछ होता है, वह बदलाव का एक दृश्य तमाशा है। 'रंगों का खेल है' गाने के साथ, फिल्म में बच्चों, वयस्कों और क्रिकेट के दिग्गजों को एक साथ मिलकर आईपीएल और डब्ल्यूपीएल टीमों के अलग-अलग रंगों से एक इलाके को रंगते हुए दिखाया गया है। जेएसडब्ल्यू पेंट्स की विविध रेंज से प्रेरित यह गीत खुशी, एकजुटता और भावनाओं की भावना को दर्शाता है, जो खेल को सचमुच शानदार बनाते हैं।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में आठ टीमों के साथ साझेदारी की है। यह जेएसडब्ल्यू पेंट्स के लिए सबसे बड़े ब्रांड एसोसिएशन में से एक है, जिसमें जेएसडब्ल्यू ग्रुप के सह-स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल (डीसी), कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच), राजस्थान रॉयल्स (आरआर), और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) सहित आठ टीमों के साथ साझेदारी शामिल है, साथ ही तीन डब्ल्यूपीएल टीमें, गुजरात जायंट्स, दिल्ली कैपिटल और यूपी वॉरियर्स भी शामिल हैं।

सिंधी मेला : पहले दिन दिखा सिंधी सभ्यता, सुहिनी सभ्यता की विरासत की झलकियों का समावेश

भोपाल। सिंधी मेला समिति द्वारा शनिवार को दो दिवसीय पारिवारिक सिंधी मेला का आगाज़ हुआ। इस मेले की शुरुआत भगवान झूलेलाल के बहराणे व हिंगलाज माता मंदिर व भगवान झूलण की द्वीप प्रज्वलन के साथ आरती के साथ किया गया, उसके बाद हुआ टैलेंट हंट का शुभारंभ जिसमें बच्चों, महिलाएँ से लेकर बुजुर्गों तक उत्साह पूर्वक भाग लिया।

लोगों के चेहरे पर इस मेले का उत्साह साफ़ दिखाई दे रहा था, इस वर्ष इस मेले को सिंधी सभ्यता, सुहिनी सभ्यता की थीम पर आयोजित किया गया है, जिसके लिये मेला परिसर में एक खूबसूरत सी सिन्धियत्त की बनाई गई थी, जिसमें सिंध में किस तरह से सिंधी समाज अपना गुजारा करता उसको बहुत ही खूबसूरती के साथ दिखाया गया जो इस मेले में सबसे अधिक आकर्षण का केन्द्र बनी रही, इसके बाद मंच पर हुआ देसी लेडी गागा की (पिंकी मेदासानी) का धमाकेदार परफ़ोमेंस, जिसे देख लोगों में एक अलग ही जोश देखने को मिला, सिंधी मेले समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी व महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि इस वर्ष अपने 28वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है मेले के प्रथम दिवस पर समिति के लोगों को करुणाधाम आश्रम में प्रमुख पीठाधीश गुरुदेव शांडिल्य महाराज जी एवं साई मनीष लाल जी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मेले में प्रमुख रूप से सिंधी मेला समिति के संरक्षक एवं विधायक भगवानदास सबनानी, जयकिशन लालचंदानी, डॉ. राजानी, दीपक राजानी, अमर दावानी, सीमा सबनानी, शकुन देवरख्यानी, कार्तिका चावलानी (आगरा) सहित समाज के गणमान्य लोग सएवं बड़ी संख्या में मात्र शक्ति उपस्थित रही।

हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिरों में भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सांसद बंटी विवेक साहू, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, नकुलनाथ ने पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया

छिंदवाड़ा। जिले में हनुमान जन्मोत्सव की धूम रही हनुमान जी के मंदिरों में श्रद्वालुओं की भीड़ रही। पूजा अर्चना के साथ हनुमान भक्तों ने श्रद्वालुओं को भंडारा कर प्रसाद का वितरण किया जिले के प्रसिद्व चमत्कारिक जामसांवली मंदिर, सिमरिया मंदिर, कोसमी हनुमान मंदिर सहित अन्य प्रसिद्व मंदिरों में हजारों की संख्या में पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्वालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा पांढुर्ना जिले के जामसांवली मंदिर में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी पहुंचकर पूजा अर्चना की और आर्शीवाद प्राप्त किया जामसांवली मंदिर अपनी चमत्कारी और आश्चर्यजनक प्रतिमा के लिये प्रसिद्व है जो निद्रा अवस्था में बैठी हुई है। मान्यता है कि सच्चे मन से आने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं यहां पूरी हो जाती है। हनुमान जी की जयंति पर यहां से विशेष आयोजन किया गया भजन कीर्तन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। सांसद बंटी विवेक साहू ने भी हनुमान मंदिरों में पहुंचकर पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना करने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्वालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा सुबह से हनुमान जी के दर्शन करने भक्त पहुंचने लगे थे दूर दूर से लोग यहां पूजा अर्चना करने के लिए पहुंचे, वही सिमरिया हनुमान मंदिर में जनसैलाब उमड़ पड़ा, यहां पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ ने विधिविधान से पूजा अर्चना की, मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति के दर्शन करने के लिए दूर दूर से लोग आए हुए थे। पूजा अर्चना करने के लिए यहां भी श्रद्वालूओं का तांता लगा रहा। वहीं परासिया रोड स्थित कोसमी हनुमान मंदिर में भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। शहर के विभिन्न मंदिरों में भी श्रद्वालुओं की पूजा अर्चना करने भीड़ लगी रही अनगढ़ हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना करने भक्तों का आना जाना लगा रहा। धरमटेकड़ी में स्थित हनुमान मंदिर में मार्निंग ग्रुप ने पूजा अर्चना कर भंडारा का आयोजन किया गया।।

हनुमान जन्मोत्सव पर विशाल भंडारे एवं आतिशबाजी : पूरे शहर में हनुमान जन्मोत्सव की धूम रही वही आयोजक श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति लालबाग चौक द्वारा भी हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विशाल भंडारे का आयोजन एवं आतिशबाजी कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ ढ्ढ इस भव्य एवं दिव्य कार्यक्रम के अवसर पर समिति के सभी सदस्यों ने अपनी सेवा दी साथ ही श्रीराम दरबार की भव्य झांकी भी समिति द्वारा तैयार की जो आमजन मानस में आकर्षण का केंद्र रही।

एसडीएम हेमकरण धुर्वे और एसडीओपी रविंद्र मिश्रा ने सुंदरकांड पाठ किया : एसडीएम हेमकरण धुर्वे और एसडीओपी रविंद्र मिश्रा ने सुंदरकांड पाठ का किया पठन-पाठन अमरवाड़ा नगर के सिविल लाइन स्थित मां बिजासन मंदिर में शनिवार को 11ः00 हनुमान जयंती की अवसर पर अमरवाड़ा अनुविभागीय अधिकारी हेम करण धुर्वे, एसडीओपी रविंद्र मिश्रा के द्वारा सुंदरकांड के पाठ का पठन-पाठन कर यहां हनुमान जी की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि की कामना की गई इस मौके पर गायक कलाकार संतोष तिवारी, पंडित सहित समिति के सदस्य कॉलोनी वासी मौजूद थे

वीर हनुमान की भक्ति में लीन हुए कमलनाथ व नकुलनाथ

सिद्ध सिमरिया धाम में माथा टेका, की पूजा अर्चना व अभिषेक, देश, प्रदेश व जिलेवासियों के लिए मांगी खुशहाली व समृद्धि

छिन्दवाड़ा– मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के परम भक्त श्री हनुमान जी महाराज के जन्मोत्सव पर मारुति नंदन सेवा समिति सिद्ध सिमरिया धाम के तत्वावधान में भव्य आयोजन हुये जिनमें हनुमान भक्त कमलनाथ व नकुलनाथ भी सम्मिलित हुये। वीर हनुमान की भक्ति में लीन हुये। सर्वप्रथम सिद्ध सिमरिया धाम पहुंचकर हनुमान जी महाराज के श्री चरणों में माथा टेककर सर्वकल्याण के लिये प्रार्थना की। मंदिर परिसर में विराजमान प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की आराधना करने के उपरांत अन्य देवी-देवताओं की पूजा अर्चना की।

पावन सिमरिया धाम पहुंचे माननीय कमलनाथ व माननीय नकुलनाथ ने प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की आराधना कर गर्भगृह में विराजमान समस्त देवी-देवताओं की विधि विधान से पूजा अर्चना की। अजर-अमर रामभक्त, अष्ट सिद्धी नौ निधि के दाता परमवीर श्री हनुमान जी महाराज के जन्मोत्सव पर विधि विधान से पूजन अर्चन कर वैदिक मंत्रोचार के साथ अभिषेक कर देश, प्रदेश, छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिलेवासियों व नगरवासियों के लिए स्वास्थ्य जीवन, निरोगी काया व उन्नति की कामना की। संकट मोचन से सुख, शांति व समृद्धि मांगी। किसानों के लिए सम्पन्नता व युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य के लिए हनुमान जी महाराज से प्रार्थना की।

मंदिर परिसर में प्रातःकाल से सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ था जिसमें नेताद्वय उपस्थित हुए। क्षेत्र के भजन मंडलों के द्वारा संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी गई साथ ही अन्य सम्पूर्ण धार्मिक आयोजनों में धर्मानुरागी कमलनाथ व नकुलनाथ उपस्थित हुए। उन्होंने अपने हाथों से महाप्रसादी का वितरण किया। हनुमान भक्तों व संसदीय क्षेत्र के परिवारजनों को भगवान हनुमान जी के जन्मोत्सव की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनायें दी।

धार्मिक आस्था का केन्द्र है सिमरिया धाम

सिद्ध सिमरिया हनुमान मंदिर परिसर में उपस्थित मीडियाकर्मियों से चर्चा में माननीय कमलनाथ जी ने कहा कि यह भव्य व दिव्य मंदिर छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र की धार्मिक आस्था का केन्द्र व जिले की धार्मिक आस्था की आन बान व शान है। आयोजित कार्यक्रमों में मारुति नंदन सेवा समिति के सदस्यों ने सम्पूर्ण व्यवस्थायें बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कमलनाथ व नकुलनाथ ने दशहरा मैदान में किया गदा पूजन

हनुमान भक्त नकुलनाथ भी वाहन रैली में हुए सम्मिलित

छिन्दवाड़ा– प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री हनुमान जन्मोत्सव पर गदा यात्रा निकाली गई। स्थानीय दशहरा मैदान में संगीत रामायण मण्डल के द्वारा सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। दोपहर पश्चात माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी ने दशहरा मैदान पहुंचकर विधि विधान पूर्वक गदा पूजन किया।

श्री गदा पूजन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने कहा कि मप्र की सबसे भव्य व विशाल गदा यात्रा छिन्दवाड़ा से ही निकलेगी। उन्होंने उपस्थित हनुमान भक्तों को स्मरण कराते हुए कहा कि मैंने गत वर्ष भी कहा था कि श्री हनुमान जी महाराज की असीम कृपा से प्रतिवर्ष गदा यात्रा भव्य होती जाएगी। बल, बुद्धि व विद्या के दाता भगवान हनुमान जी के आशीर्वाद से ही यह संभव हो रहा। प्रत्येक भक्त की आस्था का ही परिणाम है कि प्रतिवर्ष गदा यात्रा विशाल होती जा रही है। उन्होंने अंत में सभी को श्री हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि पावन सिमरिया धाम निर्माण के पीछे मेरी आस्था है। मैंने सरकारी भूमि पर नहीं बल्कि स्वयं की भूमि पर मंदिर का निर्माण कराया है। मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि श्री हनुमान जी का मंदिर है जिससे हम सभी की धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि पूरे भारतवर्ष में हनुमान जी महाराज की विशाल प्रतिमा कहीं और नहीं है। श्री नाथ ने अपने उदबोधन में आगे कहा कि छिन्दवाड़ा के विकास के लिए मैंने अपनी जवानी समर्पित कर दी और अब जीवन भी समर्पित कर रहा हूं।

श्री गदा पूजन उपरांत नकुलनाथ अपने कांधों पर गदा लेकर चले जिसके उपरांत रैली में सर्वप्रथम गदा लेकर दोपहिया वाहन रैली दहशरा मैदान से आरंभ हुई जो अनगढ़ हनुमान मंदिर, फव्वारा चौक, इंदिरा तिराहा, अम्बेड्कर तिराहा, ईएलसी चौक होते हुए मुख्य मार्ग से सिमरिया धाम पहुंची, जहां विधि विधान से पूजन अर्चन कर गदा अर्पित कर यात्रा पूर्ण हुई।

हनुमान जी संकट में धैर्य और मानसिक संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देते हैः सांसद

छिन्दवाड़ा। चैत्र पूर्णिमा के दिन पर शनिवार को भक्ति, उत्साह और उमंग के साथ बजरंगबली का जन्मोत्सव मनाया गया। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर जिले भर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने हनुमान जी के मंदिरों में माथा टेककर जिलेवासियों के लिए सुख समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने कार्यक्रमों में मौजूद लोगों को हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने अपने संदेश मे कहा है कि बजरंगबली के प्रिय भक्त को कोटि-कोटि नमन। हिंदू धर्म में भगवान श्रीराम के भक्त बजरंगबली को सात चिरंजीवियों में से एक माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वो कलयुग में भी जीवित हैं। उनकी कृपा से जीवन के सारे दुख दूर हो जाते हैं। हनुमानजी का जीवन सिखाता है कि संकट में मनोबल और मानसिक एकाग्रता बनाए रखना है। लक्ष्मण को बचाने के लिए किस तरह संजीवनी पहाड़ उठा लाते हैं। इस तरह वो संकट में धैर्य, मानसिक संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं। सांसद श्री साहू ने कहा है कि पवनपुत्र हनुमान आपके जीवन से सारे भय, कष्ट और विघ्न दूर करें,भगवान हनुमान आपको जीवन में चुनौतियों का सामना करने की शक्ति और आत्मविश्वास दें। बजरंगबली की कृपा आप पर बनी रहे, जीवन के सारे संकट दूर हों।

एलकापार में ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए दी गई जानकारी

ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के जिला समन्वयक अखिलेश जैन एवं विकासखंड समन्वयक दीपक गेडाम के कुशल मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल को संरक्षण करने के लिए विकासखंड बिछुआ के ग्राम एलकापार में ग्रामीणों को एमएसडब्ल्यू के छात्र राजकुमार साखरे और पप्पू चौरिया द्वारा एकत्रित कर एक चौपाल कार्यक्रम के माध्यम से जल को बचाने के लिए जानकारी दी गई एवं जल संरक्षण के लिये प्रेरित किया गया। जहां पप्पू चौरिया ने जल संरक्षण क्यों जरुरी है और कैसे हम जल संरक्षण करें, इसके उपाय के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से जानकरी दी और राजकुमार साखरे ने जल को बचाने के लिए मिलजुलकर कार्य करने के साथ ही पौधारोपण के लिए भी समझाया। चौपाल कार्यक्रम के बाद सभी ग्रामीणों को जल की स्वच्छता के विषय में भी समझाया गया। साथ ही जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई एवं हैंडपंप के आस-पास साफ-सफाई का कार्य किया गया। ये सभी कार्यक्रम एमएसडब्ल्यू के पूर्व छात्र विशाल बघेल और ग्रामीणजन के सहयोग द्वारा एमएसडब्ल्यू छात्र राजकुमार साखरे व पप्पू चौरिया ने पूर्ण किया। उत्कृष्ट विद्यालय जुन्नारदेव में जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा दिए गए निर्देशानुसार आम जनमानस को जल के महत्व को बताने के लिए और जल के दुरुपयोग से समाज को रोकने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान के

अंतर्गत आज उत्कृष्ट विद्यालय जुन्नारदेव में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार की ड्रॉइंग, पेंटिंग और स्लोगन के साथ बोर्ड डेकोरेशन कर जन जागरूकता के लिये प्रतियोगिता संपन्न हुई। जल आने वाली पीढ़ी की प्राथमिक आवश्यकता, विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थियों ने दीवार लेखन कार्य कर जल संरक्षण के प्रति जनमानस को किया जागरूक कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं विकासखंड परासिया समन्वयक के मार्गदर्शन में म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा संचालित (सीएमसीएलडीपी) मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत दीवार लेखन कर जल संरक्षण के प्रति जनमानस को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है।

पत्नि के हत्यारे पति को आजीवन कारावास

छिंदवाड़ा। पत्नि की हत्या करने वाले आरोपी पति को आजीवन कारावास एवं जुर्माना से दण्डित किया गया है ?? संक्षिप्त विवरण ?? दिनांक 02/11/2024 को सुबह 10ः00 बजे थाना दमुआ जिला छिंदवाड़ा में आरोपी मदनशीलू ने आरती की मृत्यु की सूचना देते हुए थाना आकर देहाती नालीसी /मर्ग इंटीमेशन दर्ज कराई कि उसकी पत्नी की पेट दर्द होने के कारण अचानक आकस्मिक मृत्यु हो गई है, जिस पर पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर प्रारंभिक विवेचना प्रारंभ की गई एवं मृतिका के शव का पीएम करवाया गया। मर्ग जांच के उपरांत यह पाया कि मदन शीलू ने ही उसकी पत्नी आरती शीलू के साथ बंद कमरे में गंभीर रूप से शराब पीकर मारपीट की थी जिस पर उसकी पुत्री उम्र 9 वर्ष ने बयान में बताया कि मदनशीलू ने ही आरती के साथ गंभीर मारपीट कर आशय पूर्वक जानते हुए उसकी हत्या की थी ।अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयानों के आधार पर अपराध प्रमाणित पाए जाने के आधार पर मामला संदेह से परे प्रमाणित हुआ। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर सघन विवेचना कर अपराध पंजीकृत किया गया था, तथा न्यायालय में विचारण हेतु चालान प्रस्तुत किया गया।प्रकरण में कुल 14 गवाह संयोजित किए गए थे जिनमें से

अभियोजन द्वारा 7 गवाहों का परीक्षण न्यायालय में कराया गया एवं कथन न्यायालय में लेख बद्ध किए गए तथा विचारण उपरांत आज दिनांक 11.04.2025 को अपर सत्र न्यायाधीश जुन्नारदेव श्री महेन्द्र मगोदिया द्वारा सत्र प्रकरण क्र. 04/2025 मे निर्णय पारित करते हुये *आरोपी मदन शीलू को धारा 103 (1) बी एन एस 2023 के तहत दोष सिद्ध पाते हुए आरोपी मदन शीलू को आजीवन कारावास एवं ?5000 रूपए के अर्थदंड से दंडित किया गया। मध्य प्रदेश राज्य की ओर से प्रकरण मे पैरवी अपर लोक अभियोजक पंकज श्रीवास्तव द्वारा की गई। तथा प्रकरण की संपूर्ण विवेचना कार्यवाही थाना प्रभारी दमुआ निरीक्षक आशीष धुर्वे एवं उपनिरीक्षक तरुणसिंह मरकाम द्वारा की गई है।

आबकारी टीम की अवैध शराब के अड्डों एवं ढाबों पर छापेमार कार्रवाई

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन एवं ज़िला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में जिले के आबकारी अमले द्वारा प्रातःवृत्त प्रभारी आकाश मेश्राम के नेतृत्व में सर्वप्रथम ग्राम सोमाढाना में जंगल में बहने वाले नाले के किनारे पानी के अंदर छुपाकर रखी गई प्लास्टिक की पन्नियों में भरे हुए महुआ लाहन को खोलकर विधिवत नष्ट किया गया। इसके बाद ग्राम के ही गोसाईंढाना में जंगल के अन्दर प्लास्टिक के ड्रमों में भरकर रखे हुए महुआ लाहन को भी विधिवत नष्ट किया गया। अंत में ग्राम गंगई में डैम के किनारे प्लास्टिक की पन्नियों में भरकर रखे गए महुआ लाहन को खोजकर विधिवत नष्ट किया गया तथा मौके पर पाई गई हाथ भट्टी मदिरा आबकारी विभाग द्वारा कब्जे में ली गई। इस कार्यवाही में कुल 8 प्रकरण दर्ज कर 7500 किलोग्राम महुआ लाहन नष्ट किया गया तथा 40 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा आबकारी विभाग द्वारा कब्जे में ली गई। इस कार्यवाही में सहायक ज़िला आबकारी अधिकारी श्री कैलाशचंद्र चौहान, श्री भारती गोंड, आबकारी उप निरीक्षक श्री जीत सिंह धुर्वे, श्री अनिकेत पटेल सहित आबकारी आरक्षक उपस्थित थे। इस कार्यवाही के बाद आबकारी टीम द्वारा रिंग रोड के किनारे होटल-ढाबों की गहन तलाशी लेकर, प्रतिष्ठा ढाबा, उड़ता पंजाब ढाबा, खालसा ढाबा के संचालकों के विरुद्ध कुल 27 बीयर की कैन जप्तकर म.प्र. आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। गत दिवस भी हाइवे हांडी ढाबा से कुल दो शराब की बोतल सहित 13 पाव व्हिस्की जप्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। इसी तहर गत रात्रि में परासिया क्षेत्र के आबकारी अमले द्वारा, गढ़ेवाल भोजनालय, जायसवाल भोजनालय एवं खालसा होटल से 12 पाव व्हिस्की एवं 05 बोतल बीयर जप्त कर उनके संचालकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किये गये।

नगर में केसरी नंदन का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया

ओबेदुल्लागंज।(सुरेश केवट)। नगर औबेदुल्लागंज में भगवान हनुमान का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया नगर में निकाली गई भव्य शोभा यात्रा, शोभा यात्रा गोहरगंज रोड हनुमान मंदिर से निकाली गई शोभा यात्रा में श्री राम दरबार की झांकी, हनुमान जी की झांकी, एवं महाराष्ट्र के कलाकार द्वारा मां काली के सुंदर नृत्य की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहे हजारों की संख्या में भक्त हुए शामिल राम जी और हनुमान जी के जेकारों से गुंजा नगर भगवान हनुमान की शोभायात्रा में युवाओं द्वारा जमकर आतिशबाजी की गई डमरू और झांज की थाप युवा झूमते गाते जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए नजर आए शोभा यात्रा का जगह-जगह फूलों की वर्षा के साथ स्वागत किया गया समाज सेवियो ने जगह-जगह स्टाल लगाकर प्रसाद वितरण किया गया , हनुमान मंदिर संकट मोचन बस स्टैंड ओबेदुल्लागंज पर प्रतिवर्षनुसार विशाल भंडारा भी आयोजित किया गया , और नगर की परंपराएं धर्म और धर्म ध्वजा लहराते हुए सभी हिंदू संगठनों ने अपना-अपना सहयोग किया गया , इस भव्य आयोजन में सहयोग देते हुए नगर में हनुमान जन्मोत्सव को ऐतिहासिक बनाया। यह कार्यक्रम कई वर्षों से केसरी नंदन अंजनी लाल के जन्म दिवस पर हर वर्ष बढ़-चढ़कर सम्पन्न हो रहा है , यह कार्यक्रम करने की परंपरा नगर के भक्तों द्वारा की जा रही है। हनुमान जी महाराज की इस वर्ष भव्य मूर्ति बनवाकर नगर के हर चोक चौराहो पर ढोल डीजे गाजे बाजै के साथ निकाली जाती है , भव्य प्रतिमा के दर्शन कर आस पास के हजारों श्रद्धालुओ का मन प्रसन्न हो गया , प्रफुल्ल होते हुए भक्ति भाव से और नाचते गाते जय जय श्री राम के नारे लगाते हुए सभी भक्तगण देर रात्रि तक जलसा चलता रहा , श्री राम का जयकारा गूंजता रहा। नगर के चारों ओर भगवा रंग पटाखे आसमान में दिखते आवाज गूंजती रही , आसपास के गांवों के पुरुष महिला बच्चे सहित हनुमान जी महाराज का जन्म दिवस मनाने पहुंचे और इस आयोजन में समस्त नगर वासियों ने बढ़ चलकर हिस्सा लिया , इस वार हर साल की अपेक्षा और भी खूबसूरत नजारा देखने को मिला , ऐसा लगता रहा जैसे की आसमान से फूलों की बारिश हो रही हो , आयोजन समिति ने समस्त धर्म प्रेमी बंधुओ का आभार व्यक्त किया एवं नगर की हिंदू उत्सव समिति ने इस भव्य भगवा यात्रा का फूल माला से स्वागत किया गया , वहीं केसरी नंदन हनुमान जन्मोत्सव पर अर्जुन नगर के शिव मंदिर प्रांगण मे पूजन पाठ करने वालो की अपार भीड़ रही वहीं प्रशासन व्यवस्था सराहनी रही शोभा यात्रा में एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव एसडीओपी शीला सुराणा, थाना प्रभारी भरत प्रताप सिंह, तहसीलदार हेमंत सरवटे शोभा यात्रा में सम्मिलित रहे इस दौरान प्रशासन व्यवस्था चाख चौबंद रही।

वैश्य घटकों के अध्यक्षों से संवाद कार्यक्रम 22 अप्रैल को भोपाल में

छिंदवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश द्वारा आगामी 22 अप्रैल 2025 को वैश्य घटकों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ संवाद कार्यक्रम भोपाल के रायसेन रोड स्थित हॉटल ओशान ब्रिज में रखा गया है तदाशय की जानकारी देते हुए वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश संगठन महामंत्री विजय झांझरी ने बताया कि विगत दिवस शिरोमणि संरक्षक पूर्व गृह मंत्री उमाशंकर गुप्ता के निवास 45 बंगले पर प्रदेश के प्रमुख पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई जिसमें संवाद कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। इस संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य सकल वैश्य समाज को संगठित करना है इस कार्ययोजना के प्रथम चरण में वैश्य समाज के सभी घटक समाज के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठकर कार्ययोजना तैयार की जायेगी। वैश्य घटकों में अग्रवाल श्वेतांबर जैन दिगंबर जैन केसरवानी समाज असाटी समाज, कसौधन वैश्य कान्य कुंज, हलवाई समाज, मेढ़तवाल समाज, स्वर्णकार समाज, चौरसिया महासभा, महर्षि समाज, पोरवाल समाज, गुजराती समाज, माहौरवेज समाज , चित्तौड़ वैश्य समाज , अग्रहरि समाज, दृढ़ ओमर सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित हुए।

जिला जेल में साध्वी प्रतिमा बहन का सत्संग

छिंदवाड़ा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की मंशानुसार जिला जेल में कैदियों के उत्थान हेतु कई धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम चलाए जा रहें हैं। इसी कड़ी में प्रतिमाह अनुसार परम् पूज्य संत श्री आशारामजी बापू की कृपा पात्र शिष्या साध्वी प्रतिमा बहन का दिव्य सत्संग सम्पन्न हुआ। साध्वी बहन ने जेल में निवासरत बंदियों को बताया कि आप इसे जेल ना समझें। यह एक तपस्या स्थली है। ऐसा सोचें हमको ईश्वर ने ध्यान, भजन, कीर्तन करने के लिए एकांतवास दिया है। हम लगभग 3 वर्षो से यहाँ आकर सभी तीज त्यौहार और पर्व मनाते हैं। अभी चैत्रमास का महीना चल रहा है। यह बहुत ही पुण्यदायी मास है। इस मास में भगवान श्री राम , महावीर स्वामी जी, हनुमान जी, नवरात्रि और पूज्य बापूजी का अवतरण दिवस आता हैं। बहुत से महापुरुषों का जन्म चैत्रमास में हुआ है। भगवान महावीर स्वामी ने हमें अहिंसा परमोः धर्म का सन्देश दिया है। हम सबको उनका यह उपदेश जीवन मे धारण करना चाहिए। जेल के उच्च अधिकारियों से ज्ञात हुआ है कि हमारे सत्संग से बहुत से बन्दियों ने नशे से और अपराध से तौबा कर ली है उन्होंने शपथ ली है हम भविष्य में ऐसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहेंगे। बहुत से बन्दियों के आग्रह पर हमारी समिति ने उन्हें मंत्र जाप के लिए आसा , माला और गोमुखी भेंट की है। अब वे अपना समय ईश्वरीय आराधना में लगा रहें हैं। देशभर में लगभग 1300 जेलें हैं। जहां लगभग 6 लाख से अधिक बंदी निवासरत हैं। उनके आध्यात्मिक उत्थान हेतु पूज्य बापूजी की कृपा से जगह - जगह इस प्रकार के आयोजन सम्पन्न हो रहें हैं। सत्संग, कीर्तन में लगभग 850 बन्दियों के अलावा 150 कर्मचारियों ने भी लाभ लिया। इस दैवीय कार्य में साध्वी रेखा बहन, समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई, खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई, गुरुकुल की संचालक दर्शना बहन, सुभाष इंगले, आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई ने जिला जेल अधीक्षक प्रतीक जैन और समस्त स्टाफ़ का आभार व्यक्त किया।

Ministry of Cooperation | सहकारिता मंत्रालय
Government of India | भारत सरकार

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सहकार से समृद्धि

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन

एवं

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड तथा मध्यप्रदेश सरकार के मध्य

सहकार्यता अनुबंध निष्पादन कार्यक्रम

डेयरी किसानों से दूध की खरीदी सुनिश्चित कर उनकी आय में वृद्धि की अहम पहल

मुख्य अतिथि
अमित शाह
केन्द्रीय मंत्री, गृह एवं सहकारिता मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

13 अप्रैल, 2025 | दोपहर 1:00 बजे | रवीन्द्र भवन, भोपाल

हर ग्राम पंचायत में डेयरी सहकारी समिति एवं कलेक्शन सेंटर होंगे स्थापित

- दुग्ध उत्पादकों को उनके **द्वार पर ही दूध विक्रय** की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी
- 6 हजार दुग्ध समितियों को बढ़ाकर 9 हजार एवं दुग्ध संकलन 10 लाख से 20 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य। **18 हजार गांव होंगे लाभान्वित**
- को-ऑपरेटिव-पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के माध्यम से सहकारी समितियों को उपलब्ध कराये जायेंगे व्यवसाय के नए अवसर

प्रदेश के साँची ब्रांड की पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में कदम...

- ₹ 2500 करोड़ के निवेश लक्ष्य से प्रत्येक जिले में **साँची डेयरी** के साथ **मिल्क कूलर, मिनी डेयरी** एवं **चिलिंग सेंटर** खोले जायेंगे
- साँची डेयरी संयंत्रों की क्षमता में वृद्धि करते हुए 18 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 30 लाख लीटर किया जायेगा
- **आय में वृद्धि**, डेयरी किसानों की आय ₹ 1700 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 3500 करोड़ करने का लक्ष्य

₹ 787 करोड़ के निवेश से दुग्ध प्रसंस्करण के लिए विकसित होगी बुनियादी अवसंरचना

- दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु नवीन योजना **"डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना"** की स्वीकृति। योजना में 25 दुधारू पशुओं की ₹ 42 लाख तक लागत की डेयरी इकाई लगाने के लिए ऋण सहायता
- स्वावलंबी गौशालाओं की स्थापना की नीति - 2025 अंतर्गत प्रदेशभर में **पीपीपी मोड पर स्वावलंबी गौशाला** का निर्माण किया जाएगा
- गौशाला में प्रति गाय दी जाने वाली **₹ 20 की राशि बढ़ाकर ₹ 40** की गयी है

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

D-11007/25

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025